धनबाद
सोमवार 14.10.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-231 पृष्ठ-12
आश्विन शुक्ल पक्ष-12
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

झारखंड-महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द

नई दिल्ली/रांची (एजेंसी): झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द हो सकता है. अटकलें लगायी जा रही है कि चुनाव आयोग १४ अक्टूबर या इसके एक-दो दिन बाद विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है.

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र में २६ नवंबर को और झारखंड में २९ दिसंबर को सरकार का कार्यकाल खत्म हो रहा है. हर बार आयोग सरकार के कार्यकाल खत्म होने के ४५ दिन पहले आचार संहिता लागू करता है. हालांकि महाराष्ट्र सरकार के कार्यकाल के लिहाज से देखें तो अब सिर्फ ४० दिन ही शेष बचे हैं. यही कारण है कि चुनाव के ऐलान को लेकर राजनीतिक हलकों में अटकलें लगायी जाने लगी हैं.

छठ पर्व के बाद हो सकते हैं चुनाव

इन सबके बीच यह सवाल बना हुआ है कि झारखंड का विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र के साथ होगा या महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव झारखंड के साथ. पहली स्थिति में अगले एक-दो दिन में आचार संहिता लागू हो सकता है.

जबकि दूसरी स्थिति में नवंबर में छठ महापर्व के बाद आचार संहिता लागू हो सकता है. इस सवाल का जवाब अगले एक-दो दिन में मिल सकता है. जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग चुनाव की तारीखों का ऐलान दिवाली और छठ पर्व को ध्यान में रखकर करेगा. तीन नंबवर को दिवाली है, जबकि इसके छह दिन बाद छठ पर्व है. दोनों राज्यों में दिवाली और झारखंड में छठ पर्व धूमधाम से मनायी जाती है. छठ के दौरान लाखों लोग झारखंड से बिहार अपने पैतृक घर चले जाते हैं. ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि छठ पर्व के बाद ही चुनाव होंगे.

दिवाली और छठ पर्व की वजह से यह तर्क भी दिये जा रहे हैं कि झारखंड के अधिकांश अधिकांश पर्व में व्यस्त रहते हैं. ऐसे में इस दौरान करीब १०-१२ दिन तक चुनाव प्रचार अभियान को वह फायदा नहीं मिलेगा, जो आम दिनों में मिलता है. एक और वजह यह बतायी ▶▶ 7

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या

सिंहभूम (ईएमएस): पश्चिमी सिंहभूम जिले में अज्ञात लोगों ने एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना को जब अंजाम दिया गया जब तीनों रात में सो रहे थे तभी अज्ञात लोगों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

एसपी आशुतोष शेखर ने पीटीआई को बताया कि मृतकों में एक पुरुष, उसकी पत्नी और बेटी शामिल हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी से जब पूछा गया कि क्या यह जादू-टोना से संबंधित हत्या थी तो उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन जांच की जा रही है जांच के बाद ही घटना का खुलासा हो सकेगा।

पीएम गति शक्ति से देश अब विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है

इस पहल को तीन साल पूरे, पीएम मोदी ने की प्रयासों की सराहना

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च की गई पीएम गति शक्ति पहल के आज रविवार को तीन साल पूरे हो गए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने इसके भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने पीएम गति शक्ति के जरिए से भारत के बुनियादी ढांचे को स्मार्ट और एकीकृत बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- गति शक्ति की बदौलत देश अब विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ। इस पहल के तहत कई क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स को सुधारने, देरी को कम करने और नए अवसरों को पैदा करने के लिए मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। इससे कई परियोजनाओं की कार्यान्वयन गति में सुधार हुआ है और भारत के विकास की दिशा को तेज किया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्वीट कर लिखा- आज पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को तीन साल पूरे हो गए हैं। इस पहल ने लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित किया और कनेक्टिविटी को बढ़ाया है, जिससे परियोजनाओं की गति में तेजी आई ▶▶ 7

पूर्व सांसद नवनीत को गैंगरेप की धमकी

अमरावती (ईएमएस): महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में नवनीत को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही कहा कि उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा। पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। उसने १० करोड़ की फिरौती भी मांगी है। साथ ही पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा।

आरोपी ने लेटर में अपना फोन नंबर भी लिखा है। लेटर में नवनीत राणा को लेकर कई आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही उनके पति रवि राणा के लिए अभद्र बातें लिखी गई। रवि राणा के निजी सहायक विनोद गुहे ने राजापेठ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

बाबा सिद्दीकी का दाऊद के साथ जुड़ाव था इसलिए कर दी हत्या

बिश्नोई गैंग ने ली हत्या की जिम्मेदारी, फेसबुक पोस्ट में किया दावा

मुंबई (ईएमएस): बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब नया मोड़ आ गया है। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। बिश्नोई गैंग के सदस्य का एक फेसबुक पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में दावा किया है कि वे सलमान खान से कोई युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन बाबा सिद्दीकी की हत्या की वजह उनके दाऊद इब्राहिम के साथ जुड़ाव था। हालांकि, मुंबई पुलिस ने इस पोसट की पुष्टि

नहीं की है और कहा है कि इसकी जांच की जाएगी।

बिश्नोई गैंग की तरफ से एक फेसबुक पोस्ट में कहा गया है कि ओ३म् जय श्री राम, जय भारत। पोस्ट में आगे लिखा कि जीवन का मूल समझता हूं, जिस्म और धन को मैं धूल समझता हूं। वही सत्कर्म किया था, जो निभाया मित्रता का धर्म था। गैंग ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे लेकिन तुमने हमारे भाई लॉरेंस का नुकसान करवाया। आज जो बाबा सिद्दीकी की शराफत के पुल बांधे जा रहे हैं, वह एक समय में दाऊद के साथ था। इसके मरने का कारण दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था। इनके अलावा अनुज थापन का नाम भी पोस्ट में है, जिसने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की थी, और पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हो गई थी। गैंग का कहना है कि यह मौत उसकी का बदला है।

गैंग के सदस्य ने पोस्ट में कहा कि हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है लेकिन जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की मदद करेगा, अपना हिसाब ▶▶ 7

बालाघाट जिले में सर्चिंग के दौरान गाड़ी पलटी

सीआरपीएफ के एक जवान की मौत, चार घायल

बालाघाट(ईएमएस): बालाघाट जिले में सर्चिंग के लिए निकले सीआरपीएफ के जवानों का बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक जवान की मौत हो गई, जबकि अन्य चार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को महाराष्ट्र के गोंदिया रेफर किया गया। सभी जवान नक्सल प्रभावित मछुरदा चौकी में पदस्थ थे। घटना बिरसा थाना क्षेत्र के गर्राटोला के पास हुई। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब ६:०० बजे थाना बिरसा अंतर्गत सीआरपीएफ ७ बटालियन की डी कंपनी मछुरदा क्षेत्र में डोमिनेशन के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान रास्ते में उनका बोलेरो वाहन पाथरी से सुंदरवाही के बीच कुदान गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में २२ साल के कांस्टेबल तारकेश्वर टी निवासी धमतरी छत्तीसगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। उनका पार्थिव शरीर सीएचसी बिरसा में सुरक्षित रखा गया है।

बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर झारखण्ड

220/33 के0वी0 ग्रीड सब-स्टेशन, पकरीबरवाडीह का

शिलान्यास समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गरिमामयी उपस्थिति

श्री मनीष जयसवाल
माननीय सांसद, हजारीबाग

श्री काली चरण सिंह
माननीय सांसद, चतरा

श्री किशुन दास
माननीय विधायक, सिमरिया

सुश्री अम्बा प्रसाद
माननीय विधायक, बड़कागांव

दिनांक: 14 अक्टूबर 2024
समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान: NTPC का पकरीबरवाडीह ग्रीड सब-स्टेशन परिसर, हजारीबाग

PR 338755 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 24-25

झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड

रावण दहन में उमड़ी लोगों की भीड़

सिंदरी (ससे) : शनिवार विजया दशमी पर असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण का पुतला सिंदरी के शहरपुरा शिव मंदिर में शुक्रवार को दहन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ट भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने फीता काटकर इस महोत्सव का उद्घाटन किया।

दोपहर एक बजे से शिव मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, बच्चों का रावण दहन कार्यक्रम केलिए आना शुरू हो गया था। लगभग चार बजे शिव मंदिर सचिव दिनेश सिंह के नेतृत्व में दशहरा का आकर्षण राम, लक्ष्मण और हनुमान की झाँकी निकाली गई और नगर भ्रमण कराया गया। इसमें युवकों ने पारंपरिक हथियारों से लैस होकर शस्त्र प्रदर्शन किया। शाम ६ बजे भाजपा नेत्री रागिनी सिंह के आगमन पर सचिव दिनेश सिंह ने रागनी सिंह बुके देकर सम्मानित किया।

उन्होंने फीता काटकर रावण दहन महोत्सव का उद्घाटन किया। इसके बाद आतिशबाजी शुरू हुई और लगा मानो रंग बिरंगे आतिशबाजी से पूरा आसमान ढक गया हो। ढोल नगाड़ों की ध्वनि के बीच राम रावण युद्ध को दर्शाते हुए राम के तीर के साथ रावण का पुतला धू धूकर जल उठा। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण वध का दीदार हजारों लोगों ने किया।

कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि बीआईटी सिंदरी निदेशक डॉ पंकज राय व आप पार्टी के प्रदेश संयोजक डी एन सिंह सह धर्मपत्नी निर्मला सिंह, सम्मानित अतिथि झामुमो जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, विहिप बजरंग दल महामंत्री सोनू गिरी, राजू तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक कुमार दीपू, वशिष्ठ नारायण सिंह को अंगवस्त्र और बुके देकर सम्मानित किया गया। शिक्षिका सुष्मिता राय, कामेश्वर सिंह, संजय सिंह, अधिवक्ता दिनेश सिंह, विदेशी सिंह, सुनिल सिंह, रासबिहारी सिंह, बृजेश सिंह, सुरेश सिंह, मनीभूषण सिंह ने सम्मानित किया। मौके पर अरुण कुमार सिंह, रणधीर सिंह, विरेंद्र सिंह, अजय सिंह, रावण के पुतला कलाकार राजन तिवारी, कुंदन सिन्हा, रंजीत निषाद, लोगेन हेम्ब्रम, राहुल टुडू सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दुर्गापूजा समितियों ने उदय व दिलीप को किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक भक्ति भाव से मां दुर्गा की पूजा की गई और विजयादशमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर धनबाद के जोड़ा फाटक, न्यू स्टेशन व धैया के दुर्गापूजा पंडाल में बतौर मुख्य समाजसेवी उदय प्रताप सिंह, युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप सिंह, समाजसेवी रोहित भगत उपस्थित रहे। जोड़ाफाटक कमेटी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष जीराखान सिंह, निर्भय सिंह, सचिव सुरेंद्र चौधरी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र रजक, सोनू गिरी, बर्जेश शर्मा, गोविंद रजक ने सभी अतिथियों को माता की चुनरी ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। न्यू स्टेशन पूजा पंडाल में मुनेश्वर सिंह तथा धैया पूजा पंडाल में पप्पू सिंह ने दोनों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया।

उदय प्रताप सिंह, दिलीप सिंह ने मां के दरबार में माथा टेक आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भगवती मां दुर्गा से क्षेत्र की सुख शांति व समृद्धि की कामना की। साथ ही धनबाद के उपायुक्त माधवी मिश्रा और एस एसपी ह्रीदिप पी. जनार्दन को श्रद्धालुओं के लिए जबरदस्त सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए धन्यवाद देकर प्रशंसा की। जिससे पूरे धनबाद में सुरक्षित व शांति माहौल में पूजा संपन्न हुआ।

सैकड़ों नम आंखों ने दी मां दुर्गा को विदाई

धनबाद (कासं) : धनबाद कोयलांचल में दुर्गोत्सव का समापन सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ। धनबाद, झरिया, फुसबंगला, जामाडोबा, डिगवाडीह, पाथरडीह, सुदामडीह, सिंदरी, बलियापुर, कतरास, निरसा, मैथन आदि क्षेत्रों में विजयादशमी के दिन पूजा पंडालों व मंदिरों में महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर खेला के साथ भावभीनी विदाई। सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर लगाने के बाद एकदूसरे को सिंदूर लगाकर माता रानी से अखंड सुहाग व परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं में सिंदूर खेला को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। सिंदूर खेला से पहले कलश विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकडों महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए. सभी ढोलताशे की धुन पर थिरकते हुए जलाशय पहुंचे जहां पुरोहितों ने पूरे विधि-विधान से घट विसर्जन कराया. शाम में दुर्गा पूजा समिति के सदस्य व जिला पुलिस की मौजूदगी में गाजेबाजे के साथ श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन शोभायात्रा निकाली. गाजेबाजे के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कर दिया गया।

विजयदशमी के अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों में सुहागिन महिलाओं ने सिंदूर खेला की परंपरा पूरे श्रद्धा भाव से निभाई। मुख्य कार्यक्रम धनबाद के हीरापुर स्थित दुर्गा मंदिर में आयोजित हुई। जबकि शहर के लगभग तमाम पंडालों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर खेला के जरिए माता का आशीर्वाद के आलोक में कार्यक्रम आयोजित करता है तथा एक दूसरे को शुभकामनाएं देती है। चूंकि धनबाद बंगाल कि सीमावर्ती क्षेत्र से जुड़ा हुआ है तथा धनबाद में बांग्ला भाषा भाषियों की संख्या बहुत है। इसलिए यहां आरंभिक कल से ही सिंदूर खेला की परंपरा बड़ी श्रद्धा भाव से निभाई जाती है। संबंधित कार्यक्रम हीरापुर के दुर्गा मंडप स्टील गेट सहित अन्य पूजा पंडालों में भी देखने को मिली। इसके अलावा जिला के अन्य इलाकों में भी विजयादशमी के अवसर पर सिंदूर खेला की परंपरा का निर्वहन किए जाने की खबर है।

यूनियन क्लब में रावण दहन

धनबाद (कासं) : यूनियन क्लब धनबाद में रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया, जो सभी का ध्यान आकर्षित कर रही थी। ४० फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। रावण दहन से पहले शानदार आतिशबाज़ी का आयोजन किया गया, जिसने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। रावण दहन क्लब के सचिव चरणप्रीत सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष अजीत गुटगुटिया द्वारा किया गया।सभी सदस्यों और आगंतुकों के लिए विशेष रूप से स्नैक्स की व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन में क्लब के प्रतिष्ठित सदस्य राहुल नारंग, नरेंद्र शर्मा, मनोज भोजगड़िया, विनोद सिन्हा, रिंटू, आशीष सहाय, अतुल दुकानिया, अनुप कथूरिया, मनीष अग्रवाल और कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

बरवाअड्डा में रावण दहन पर जुटी भीड़

बरवाअड्डा (ससे) : धनबाद जिले के बरवाअड्डा में दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गई. विजयादशमी के अवसर पर बड़ा जमुआ में रावण दहन का आयोजन किया गया. हज़ारों लोग रावण दहन कार्यक्रम देखने पहुंचे. झारखंड पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सह बड़ा जमुआ कमेटी के संरक्षक अशोक कुमार सिंह ने रावण दहन कार्यक्रम का उद्घाटन किया. क्षेत्र के बड़ा जमुआ, लोहार बरवा मंडल पाड़ा, पंडुकी, भेलाटांड़, विज्ञान विहार कालोनी, सत्यम नगर, बजरंग विहार कालोनी, बड़ापीछड़ी, जयनगर, नगरकियारी, बिराजपुर, कल्याणपुर, बारमसिया, यादवपुर, चुटियारो, मुर्राडीह, खरनी आदि स्थानों पर दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया. दुर्गा पूजा पंडालों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई थी. वहीं, एकादशी के अवसर पर बिराजपुर, बड़ापीछड़ी, बारमसिया, जयनगर में मेला का आयोजन किया गया. मेला को सफल बनाने में पूजा समितियों एवं जिला प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुर्गापूजा समिति ने की सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : श्री श्री सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति छठ तालाब, ठाकुर कुल्ही धैया की ओर से रविवार को माता के भक्तों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

सार्वजनिक दुर्गापूजा समारोह और दुर्गा मंदिर निर्माण सहित मंदिर की सुंदरता को बढ़ाने के लिए विशेष सहयोग प्रदान करने वाले माता के भक्तों को समिति की ओर से स्मृति चिह्न तथा अंग वस्त्र भेंट कर उनको सम्मानित किया गया।

दुर्गापूजा समिति को विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए नीरज सिंह एवं सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी भोग प्रदान करने के लिए रतन उपाध्याय, उमेश जायसवाल, दीपक तिवारी, मनिंदर कुमार, राजेश कुमार आनंद, सुनील शर्मा सहित विशेष सहयोग के लिए संजय गुप्ता, तजमुल अंसारी, रंजीत कुमार साव, शंभू शरण शर्मा आदि को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदन मोहन सिंह, उपाध्यक्ष विमल कुमार , ओम शंकर ठाकुर, सचिव मनीष मिश्रा सह सचिव राज कुमार शर्मा, मनीष पाठक, कोषाध्यक्ष रंजीत जायसवाल, संजय मिश्रा, सुमित पाठक, सुशील मिश्रा, मनोज सिंह, सुनील चौरसिया, मनीष जायसवाल, दीपक, विकास राय, संतोष रजक, बबलू सिंह, बरमेश्वर चौधरी, जयंत मिश्रा, आशीष जायसवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। रविवार को बरवाअक्रा झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य प्रतिनिधि प्रदेश महासचिव निरंजन कुमार दे, प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार पांडे आदि उपस्थित रहे।

मूर्ति विसर्जन पर उमड़े भक्त

तोपचांची (ससे) : विजयादशमी के मौके पर तोपचांची के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में महिलाओं ने सिंदूर खेलकर नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी। सुहागिन महिलाओं ने एकदूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गे से अखंड सौभाग्यवती रहने की कामना की. इसके बाद कलश का विसर्जन किया गया. महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया. इसके बाद एकदूसरे को सिंदूर लगाया।

सिंदूर खेला का है विशेष महत्व

विजयादशमी पर सिंदूर खेला का विशेष महत्व है। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन दुर्गापूजा और दशहरा के अवसर पर महिलाएं मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करती है। जिसे सिंदूर खेला हैं. इस दिन पंडालों में सुहागिन महिलाएं मां दुर्गे को सिंदूर अर्पित कर आपस में एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं. यह खास उत्सव मां की विदाई के रूप में मनाया जाता है. सिंदूर खेला के दिन पान के पत्तों से मां दुर्गा के गालों को स्पर्श करते हुए उनकी मांग और माथे पर सिंदूर लगाकर महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इसके बाद मां को पान और मिठाई का भोग लगाया जाता है. माना जाता है कि नवरात्र में मां दुर्गा १० दिनों के लिए अपने मायके आती हैं। इन्हीं १० दिनों को दुर्गा उत्सव के रूप में मनाया जाता है. १०वें दिन माता पार्वती अपने घर भगवान शिव के पास वापस कैलाश पर्वत चली जाती हैं।

सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को दी गई विदाई

निरसा (ससे) : निरसा अनुमंडल क्षेत्र में दुर्गोत्सव का समापन सौहार्दपूर्ण माहौल में हो गया। विजयादशमी शनिवार को पूजा मंडपों में महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर खेला के साथ भावभीनी विदाई दी। बंगाली समुदाय की महिलाओं ने इस अवसर पर सिंदूर खेला में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर लगाने के बाद एकदूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा से अखंड सुहाग की कामना की। इस दौरान निरसा काली मंदिर व गांधी बाजार दुर्गा मंदिर में दशमी पूजा के बाद महिलाओं में सिंदूर खेला को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। सभी सुहागिन महिलाओं ने एकदूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद घट विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बांग्ला डीजे की धुन पर थिरकते हुए गाजेबाजे के साथ शामिल हुए. शोभायात्रा जामताड़ा रोड होते हुए पीठाकियारी स्थित तालाब तक पहुंची, जहां पुरोहितों ने पूरे विधिविधान से घट विसर्जन कराया. निरसा के खुदिया सेंट्रल पूल, लखीमाता व चापापुर कोलियरी, पोद्दारडीह, कंचनडीह दुर्गा मंडप में भी महिलाओं ने एकदूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं और मां दुर्गा की विदाई के साथ इस पर्व का समापन किया. निरसा बंगला स्कूल के पास से निकली विसर्जन शोभायात्रा में बबलू दास, जितेन दास, विजय सिंह, मुरली साव, अशोक साव, फोटिक दास, कृष्णा गोपाल बनर्जी, सरबनी बनर्जी, प्रिया बनर्जी, लिपि मंडल, सरबनी दत्त आदि शामिल थे।

विजयादशमी पर समारोह का आयोजन

सिंदरी (ससे) : विजयादशमी पर आरएमके फोर दुर्गापूजा समिति ने एक भव्य समारोह का आयोजन किया। समारोह की शुरुआत सांसद ढुल्लू महतो के स्वागत के साथ हुई, जहां समिति के सदस्यों ने ढोलनगाड़ा बजाकर जोरदार स्वागत किया।

सांसद ने पंडाल में पहुंचकर फीता काटकर पूजा पंडाल और विजयादशमी पूजा का औपचारिक उद्घाटन किया। इस बार आरएमके फोर दुर्गापूजा पंडाल की आकृति उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर के स्वरूप में तैयार की गई है, जो श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है।

समारोह में उपस्थित समिति के सदस्यों में नुनु लाल टुडू, लोगेन हेंब्रम, राहुल टुडू, सोबिन, दीपक, रोनित कर, धीरज, रवि, शंकर पासवान, महावीर, जितेंद्र प्रसाद, दीपू, जितु, अंशु, प्रभात, रोहन मृत्युंजय, नागेंद्र, रोहित हंसदा, हेमंत, प्रिंस, संजय, सोहेल, रोहित, मेजो, शुभम, कमल आदित्य, समीर, पीयूष, विनीत, अभिषेक, नरेश, पारा, राजू टुडू, तपन, अशोक, आलोक और करण मुखर्जी शामिल थे।

सिंदरी अंचल में दुर्गोत्सव धूमधाम से एवं भक्ति पूर्ण माहौल में मनाया गया। सांसद ने विभिन्न पूजा पंडालो में पहुंच कर पूजा अर्चना किया एवं धनबाद लोकसभा के जनता के कल्याण की कामना किये।सांथ में सिंदरी नगर भाजपा अध्यक्ष अरविंद पाठक एवं अन्य थे।रोड़ाबांध, मनोहरटांड, शहरपूरा, पश्चिमांचल, पूर्वांचल, एसीसी, जय मातादी मंदिर जागृति क्लब, डोमगढ़, सिंदरी वस्ति गौशाला, कंडरा में भव्य आयोजन कर आकर्षक साज सज्जा के सांथ दुर्गा पूजा सम्पन्न हुई।

सुनैना किन्नर ने की मां दुर्गे की आराधना

धनबाद (कासं) : महापर्व दुर्गापूजा विजयादशमी के दिन झारखंड प्रदेश किन्नर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनैना सिंह किन्नर ने अपने घर में मां दुर्गा का कलश का विसर्जन किया। विसर्जन के दौरान सभी किन्नर नाच गान व ढोल नगाड़ा बजाते हुए तालाब तक गए जहां पर मां दुर्गा की कलश को विसर्जन किया गया। इस मौके पर सुनैना किन्नर ने बताया कि यह आयोजन विगत कई वर्षों से हमारे गुरु जटावाली करती आ रही थी। जिसके परंपरा को निभाती हुई वह भी अपने घर में कलश की स्थापना कर पूजा-अर्चना कर विधि विधान से विसर्जन किया।

विसर्जन के उपरांत सुनैना किन्नर ने बताया कि हम लोगों ने मां दुर्गा से प्रार्थना किया कि हमारा देश पूरे विश्व में अपना परचम लहराता रहे और हमारे जवान को साहस और शक्ति दें। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा हमारे जजमानों के घरों में खूब खुशियां लाएं जिससे किन्नर समाज भी खुश रहे।इस मौके पर बबली किन्नर, किरण, रजिया, बिमल, करीना, परी, शीला, श्रीति, हसीना, सीमा, रीना, राधा, सोहानी, पल्लवी सिंह, मनीषा, लवली, शिल्पा, किरन सिंह, पूनम, काजल, पलक, ऋषिमुनि, जिया, निशा, रागिनी, लैला, मनीला, बर्षा, रूपशा, आंखी, मुस्कान आदि किन्नर और स्थानीय लोग मौजूद थे।

जोड़ापोखर में मूर्ति विसर्जित

जोड़ापोखर (ससे) : जय मांग दुर्गा के गगन भेदी नारों के साथ जोड़ापोखर क्षेत्र के १८ दूर्गा मंदिरों में सिंदूर खेला के साथ दुर्गापूजा संपन्न हो गया है।

पूजा कमिटी संचालकों ने बताया हैं कि इस बार दशमी पूजा दो दिन तक मनाया गया है। जिससे की देवी दुर्गा का दो दिनों तक विसर्जन किया गया है। गुरुवार को सप्तमी व्रत पूजा का शुभारभ की गई है। आष्टमी नवमी एवम दशमी पूजाअर्चना की गई है। अंतिम दिन सिंदूर खेल महिलाओ द्वारा खेला गया है। इससे पूर्व पुष्पाजंलि चारों दिन आयोजन किया गया है। ९ दिनों तक चलने वाले इस महान पूजा में कई भक्तों ने नवरात तक फलाहार किया है।

पूजा का आयोजन मुख्य रूप से जीतपुर, जामाडोबा, भागा, फूसबंग्ला, जेलगोड़ा, डी गवाडीह, में आयोजन किया गया है। जामाडोबा एवं फूसबंगला में आपार भीड़ भक्तों की जुटी हुई हैं। वहीं कई मंदिरों के देवी दूर्गा का विसर्जन कर दिया गया है। विधिवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने दंडाधिकारी के सहयोग से भारी पुलिस बल के साथ मौजूद थे।

राज्यपाल से मिले लोजपा प्रदेश अध्यक्ष प्रधान

धनबाद (कासं) : लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विजय प्रधान, प्रवक्ता उमेश तिवारी और आईटी सेल अध्यक्ष अभिषेक राय भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद बिरेन्द्र प्रधान ने कहा कि यह औपचारिक भेंट थी, जिसमें राज्य के विकास और रोजगार के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने राज्यपाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि संतोष गंगवार एक अनुभवी नेता हैं, जिन्होंने आठ बार लोकसभा चुनाव जीते हैं और कई बार केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवाएं भी दी हैं। उनके अनुभव से राज्य को फायदा होगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

मां दुर्गा को दी गई विदाई

लोयाबाद (ससे) : महानवरात्रि का त्यौहार का समापन सिंदूर खेल के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमा को श्रद्धालुओं ने नम आखों से विसर्जन कर विदा किया।लोयाबाद, सेन्द्रा, बाँसजोड़ा, कनकनी आदि लोयाबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के माँ दुर्गा की मंदिर में विजय दशमी के शुभ अवसर पर शनिवार को माँ दुर्गा की पूजाअर्चना के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं मंदिर परिसर में पहुंचे। जहां पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा से अपनेअपने परिवार की सुख सम्पति की कामना किये।

माँ दुर्गा की पूजाअर्चना के बाद महिलाओं ने माँ की खोइछा भरई की रस्म पूरी किया। वही बंगली परंपरा के अनुसार महिलाओं ने एक दूसरे को सिन्दूर लगाकर विजय दशमी की ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

सिन्दूर खेल के बाद महिला एवं पुरुष तथा युवा भक्तगण जामकर नाचें झूमे। वही शनिवार को सुबह ११:३० बजे मंदिर परिसर से पालकी में बेलभरणी माँ को मदनाडीह स्थित छठ घाट तालाब ले जाया गया जहाँ विधिविधान से माँ की पूजाअर्चना कर कलश विसर्जन कर भक्तगण पुनः मंदिर परिसर पहुँचे, वही महिलाओं ने जय माता की जयकारे लगाऐ और नम आंखों से माँ दुर्गा को विदाई दी। माँ अगले वर्ष फिर आना माँ हमे इंतजार रहेगा कह कर माँ दुर्गा को विदाई दी।

माना जाता है कि देवी दुर्गा अपनी चार संतानों के साथ मैके आती हैं और भक्तगण के द्वारा जोरदार तरीके से माँ दुर्गा की स्वागत करने के बाद विजय दशमी को उन्हें विदा किया जाता है। वही संध्या बेला में लोयाबाद, बाँसजोड़ा, सेंदरा, कनकनी, लोयाबाद के विभिन्न क्षेत्रों के माँ दुर्गा की प्रतिमा को धूमधाम से गाजे बाजे व नाचते गाते शांतिपूर्ण वातावरण में नगर भ्रमण कराते हुए माँ की प्रतिमा को तालाब में विसर्जन किया गया। वही सुरक्षा के दृष्टिकोण से लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार अपने दलबल के साथ लगातार क्षेत्र में मुस्तैद रहे।

कोलफील्ड होटल में छापा, 6 महिला व 1 पुरुष पकड़े गए

धनबाद (कासं) : बोकारो पुलिस ने शुक्रवार को धनबाद थाना के लिंडसे क्लब के पास स्थित कोलफील्ड होटल में छापामारी किया है। यहां से ६ महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है। मामला दुर्गा पूजा का दौरान मेला घूमने के लिए निकलने वाली महिलाओं की चेन छिनताई से जुड़ा हुआ मामला बताया जा रहा है।

मामले में बताया जाता है कि एक पुरुष और सभी महिलाएं यहां कोलफील्ड होटल में ठहरे हुए थे। करीब दो बजे बोकारो पुलिस की टीम यहां पहुंची और होटल से ही इन सभी को हिरासत में ले लिया।

इनके पास काफी बैग या समान था पुलिस की माने तो मेला घूमने आने वाली महिलाओं के गहने उड़ाने के लिए ये सभी यहां पहुंचे थे। इन सभी के एक गैंग को बोकारो में पकड़ा गया है। उन्ही से मिली सूचना पर बोकारो पुलिस ने धनबाद में छापामारी की। इन्हें हिरासत में लेने के बाद पुलिस सभी को बोकारो लेकर चली गई।

शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा संपन्न कराने के लिए जिले भर को सात जोन में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में मजिस्ट्रेट के साथ वरीय पुलिस अधिकारियों समेत पुलिस फोर्स को लगाया गया है। इसके अलावा थाना और क्षेत्रवार स्तर पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा पुलिस के चलंत दस्ता को भी रखा गया है। दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों व बल की यह प्रतिनियुक्ति १४ अक्टूबर तक रहेगी। इसके साथ ही यह टीम रावण दहन और मूर्ति विर्सजन के दौरान भी कार्यरत होगी। रावण दहन के लिए बरवाअड्डा, बलियापुर, सिंदरी, हरिहरपुर, गौशाला, भूली, मालकेरा (कतरास) तथा सुदामडीह थाना क्षेत्र में इस टीम को तैनात किया गया है। दुर्गा पूजा के अवसर पर धनबाद पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता भी लगातार भ्रमणशील रहेगा। मोटरसाइकिल दस्ता सरायढेला थाना मोड़ से स्टील गेट तक, पार्क मार्केट से झारखंड मैदान तक, बैंक मोड़ बिरसा चौक से धनसार मोड़ तक तथा बैंक मोड़ बिरसा चौक से मटकुरिया चेक पोस्ट तक लगातार चारचार के ग्रुप में भ्रमणशील रहेगा।

अष्टमी के अवसर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

बलियापुर (ससे) : आमटाल पंचायत के दुर्गा मंदिर के प्रांगण में श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के द्वारा अष्टमी अवसर पर सक्रिय युवाओं ने बच्चों एवं महिलाओं के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया था। जिसमें विभिन्न तरह के आयोजन था जैसे सामान्य ज्ञान के प्रश्न, म्यूजिकल चेयर, गीतसंगीत, मोमबत्ती जलाना, छोटेछोटे बच्चों के लिए नित प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए शंख बजाने प्रतियोगिता आदि जिसमें छोटेछोटे बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी दी एवं महिलाओं ने उत्सुकता के साथ शंख बजाने के प्रतियोगिता में अपना भागीदारी दी इस प्रतियोगिता को देखने के लिए गांव के सभी टोला से बच्चे, बुजुर्ग, युवा, महिला देखने आए थे। इस आयोजन से सभी बहुत ही खुश थे एवं युवकों के इस कार्य के लिए सभी सराहना कर रहे थे। इस आयोजन को सफल करने के लिए रॉकी चटर्जी, गौतम चंद्र, आकाश माझी, अर्चित चटर्जी, उज्ज्वल चक्रवर्ती, सीमांत चक्रवर्ती, राकेश चक्रवर्ती शुभ चक्रवर्ती, बिट्टू चटर्जी, लालतू चटर्जी, जीत चटर्जी, साधन चक्रवर्ती आदि।

हर्सोल्लास के साथ मनी दुर्गा पूजा

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना क्षेत्र में केंदुआ बाजार, न्यू मेरिन गोपालीचक, हिंदी भवन, अलकुसा बकरहट्टा, कुस्तौर, गंसाडीह, गोधर चौहान बस्ती, गोधर रवानी बस्ती, में हर्सोल्लास के साथ दुर्गा पूजा मनाई गई। मौके पर सभी पूजा पंडालों में पूजा समिति के लोग काफी सक्रिय रहे । साथ ही पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था थी एवं विधिव्यवस्था कायम रखने हेतु केंदुआडीह पुलिस पूजा प्रारंभ से विसर्जन तक कड़ी निगरानी करते देखे गये। महिलाओं ने माँ दुर्गा का खोइचा भराई और सिन्दूर खेल कर नम आँखों से विदाई दी। कुछ पूजा समितियों ने शनिवार को मूर्ति विसर्जन किया, कुछ रविवार को मूर्ति विसर्जन किया गया। केन्दुआडीह पुलिस विसर्जन के समय मुस्तैद थी।

हीरापुर एम बाजार में मारपीट, तोड़फोड़

धनबाद (कासं) : धनबाद के हीरापुर एम बाजार में शुक्रवार को जमकर मारपीट और तोड़फोड़ की गई। मिली जानकारी के अनुसार, एम बाजार में कुछ युवक खरीदारी करने आए थे। इसी क्रम में युवकों ने बाजार की ओर से सामान रखने के बदले दिया गया टोकन खो जाने की बात कही. काउंटर पर मौजूद कर्मी ने टोकन दिए बिना सामान वापस देने से मना कर दिया. इसी बात पर नाराज युवकों ने दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। उनलोगों न सिर्फ दुकान के कर्मियों को जमकर पीटा, बल्कि महिला कर्मचारी से भी मारपीट की गई. विवाद होता देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। खबर पाकर तत्काल सदर पुलिस मौके पर पहुंची और चारपांच युवकों को पुलिस हिरासत में लेकर थाने ले गई. दुकान मैनेजर संजय दास ने मीडिया को बताया कि युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. इधर पकड़े गए युवकों और एम बाजार के बीच सुलह समझौता हो गया. युवकों ने प्रतिष्ठान के नुकसान की भरपाई कर दी. इसके बाद एम बाजार की तरफ से थाने में की गई शिकायत वापस ले ली गई. पुलिस ने युवकों को चेतावनी देकर थाने से छोड़ दिया।

सिंदरी सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी देने की उठी मांग

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड मुक्ति मोर्चा का अल्पसंख्यक सम्मेलन रविवार को जंगलपुर मैदान में हुआ। इस कार्यक्रम में झामुमो के जिला सचिव मन्नू आलम ने भीड़ जुटा कर अपनी ताकत दिखाई। इसमें दलगत राजनीति से हटकर मुस्लिम समाज के प्रमुख नेता, समाजसेवी, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य आदि शामिल हुए। इसी बहाने अल्पसंख्यक समाज ने सिंदरी सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी देने पर जोर दिया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि चुनाव के समय भाजपा ने केंद्र के कई मंत्रियों और मुख्यमंत्री को झारखंड में लगा दिया है, परंतु जनता सब कुछ समझती है और सरकार गठबंधन की ही बनेगी । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी किए हैं। विभिन्न योजनाओं को सर जमीन पर उतारा है। इसका लाभ गठबंधन को मिलेगा ।

उन्होंने गठबंधन के सभी दलों के नेताओं से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव लड़ने और भाजपा को परास्त करने की अपील की। टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि भाजपा हिंदूमुस्लिम, जात पात और बाहरी भीतरी की राजनीति कर रही है जो नहीं चलेगी। यहां की जनता हेमंत सोरेन को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की ठान चुकी है। श्री महतो ने कहा कि गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। भेजेगी, उसे सभी मिलकर विजयी बनाएंगे। केंद्रीय सदस्य अशोक मंडल ने पार्टी की जीत के लिए एड़ी चोटी एक करने की अपील की। जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि झारखंड में फिर हेमंत सोरेन सरकार की वापसी तय है। कार्यक्रम संयोजक जिला सचिव मन्नू आलम ने सभी का स्वागत किया और कहा कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक पार्टी के साथ हैं।

अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्हा खाने सभी दलों से एकजुट होकर भाजपा को औकात बताने की अपील की। केंद्रीय सदस्य अमितेश सहाय ने कहा कि पार्टी सिंदरी से जिसे भी सिपाही बनाकर करना चाहिए। सभा को अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बरकत अली, जिप सदस्य हसीना खातून एवं मीना हेंब्रम, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, संगठन सचिव एजाज अहमद, जिप सदस्य एवं कांग्रेस नेता सोहराब अंसारी, नीलम मिश्रा, अध्यक्ष मुखिया अख्तर अंसारी एवं प्रखंड अध्यक्ष मुखिया मेराज अंसारी ने कहा कि सिंदरी अल्पसंख्यक बाहुल विधानसभा क्षेत्र है। क्षेत्र की जनता यहां से अल्पसंख्यक प्रत्याशी मांग रही है। पार्टी को इस पर विचार मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष गयासुद्दीन अंसारी, अताउल्लाह अंसारी, मोकिम अंसारी, मो सलाउद्दीन, फतेह अली अंसारी, फारूक अंसारी, बेलाल अंसारी, पैगाम अली, सिराज काजी, तस्लीम अंसारी, प्राण चंद्र सोरेन, शांतिराम रजवार, मसूद आलम, बेलाल अंसारी, महादेव मंडल, रतिलाल टुडू, अनीस अंसारी, तारीक अंसारी, माथुर अंसारी, शरीफ शाह आदि ने संबोधित किया इसमें पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया।

आदि शंकराचार्य का ट्रेलर लॉन्च

धनबाद (कासं) : आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर की उपस्थिति में आर्ट ऑफ लिविंग ने अपनी पहली वेब सीरीज आदि शंकराचार्य का ट्रेलर लॉन्च किया। गुरुदेव ने कहा कि ज्ञान को समयसमय पर पुनर्जीवित करना आवश्यक है। आदि शंकराचार्य ने ज्ञान को पुनर्जीवित किया। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और कर्म को एकत्र किया। उनका यही संदेश था कि जीवन दुख नहीं बल्कि आनंद है। इस सन्दर्भ में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर संस्था के झारखंड मीडिया प्रभारी अजय मुखर्जी ने जानकारी दी। यह प्रोडक्शन आदि शंकराचार्य के प्रारंभिक वर्षों की कहानी प्रस्तुत करेगा, जिसमें वे भारत भर में यात्रा करते हुए आध्यात्मिक नैतिकताओं और परंपराओं को पुनर्जीवित करते हैं। सीज़न १ में १० एपिसोड होंगे। प्रत्येक एपिसोड लगभग ४० मिनट लंबा और आदि शंकराचार्य के जीवन के पहले आठ वर्षों पर आधारित होंगे।

श्री श्री पब्लिकेशंस ट्रस्ट के ट्रस्टी नकुल धवन ने बताया कि आदि शंकराचार्य भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व हैं। जिनका नाम तो प्रसिद्ध है, लेकिन उनके जीवन की कहानी बहुत से लोगों को पता नहीं है। उनका जीवन बहुत छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण था, जिसमें उन्होंने देश भर में यात्रा की और सांस्कृतिक तानेबाने को एकजुट किया। उनके द्वारा स्थापित परंपराएं आज भी जीवित हैं और वे भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के वास्तुकार हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने बताया यह सीरीज महान आदि शंकराचार्य को समर्पित है, जिनकी बुद्धिमत्ता, ज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति ने इस राष्ट्र को आकार दिया। जब भारत ३०० से अधिक राज्यों में बंटा हुआ था, उस समय आदि शंकराचार्य ने देश भर में यात्रा की और इसे सनातन धर्म के ध्वज तले एकजुट किया। उनका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण में योगदान अतुलनीय है और हम उनकी कहानी को आधुनिक दर्शकों के स्वर में जीवंत करना चाहते हैं।

झारखंड में किसकी होगी सरकार तय करेगा पारा शिक्षक : संघर्ष मोर्चा

धनबाद (कासं) : रविवार को बरवाअकुा झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य प्रतिनिधि प्रदेश महासचिव निरंजन कुमार दे, प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार पांडे, उत्तरीय छोटा नागपुर प्रमंडलीय अध्यक्ष भागवत तिवारी ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि वर्तमान हेमंत सरकार राज्य के पारा शिक्षकों को सिर्फ ठगने का कार्य किया है।

चुनाव पूर्व संकल्प पत्र में कहा था कि हमारी सरकार बनाएं ३ माह के अंदर राज्य के पारा शिक्षकों को वेतनमान देंगे लेकिन वेतनमान पर सरकार एक कदम आगे नहीं बढ़ी। वहीं २८ अगस्त को विभागीय अधिकारियों व मंत्रियों की उपस्थिति में पूर्व समझौता के अनुरूप यदि १४ अक्टूबर अंतिम कैबिनेट में पारा शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो निश्चित रूप से राज्य के पारा शिक्षक पूरे परिवार सहित काला झंडा लेकर सड़क से लेकर सदन तक वर्तमान हेमंत सरकार का खुलकर विरोध करेगा। जैसे पूर्व में रघुवर सरकार के खिलाफ कार्य किया गया था, ठीक उसी प्रकार उससे ज्यादा बदतर स्थिति वर्तमान हेमंत सरकार की होगी। क्योंकि ६२००० पारा शिक्षक आगामी चुनावी समीकरण को बदलने के लिए सक्षम हैं। मौके पर जैनुल अंसारी, मोहम्मद सिद्दीक अंसारी, लक्ष्मण सिंह चौधरी, मोहम्मद ताहिर हुसैन, मंजूर उल हक, मोहम्मद नईमुद्दीन अंसारी, मोहम्मद ताहिर हुसैन अंसारी मौजूद रहे।

हर व्यक्ति को शांतिदूत बनना चाहिए : स्वामी निर्मलानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

हम सभी ईश्वर की संतान हैं। सभी में वो समाये हुए हैं। वो सभी से समान रूप से प्यार करते हैं। इसलिए कभी भी न तो अपने को असहाय या दूसरे को हेय दृष्टि से देखना चाहिए या खुद को सर्वशक्तिमान और दूसरे को बलहीन समझने की भूल करनी चाहिए। ये बातें योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए स्वामी निर्मलानन्द ने योगदा भक्तों से कही।

उन्होंने सभी से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को शांतिदूत बनने का प्रयास करना चाहिए। हर व्यक्ति अगर चाहे तो वो शांतिदूत बन सकता है। बशर्ते कि वो स्वयं में सुधार लाये। उन्होंने शांति दूत कैसे बने। इसके लिए कई सूत्र बताएं, जिससे प्रत्येक व्यक्ति में अभूतपूर्व सुधार हो सकता है, जिससे हर व्यक्ति अपना, अपने परिवार, अपने समाज का बेहतर ढंग से कल्याण कर सकता है।

उन्होंने कहा कि कभी भी दूसरों में बुराई ढूंढने की कोशिश मत कीजिये। अच्छा रहेगा कि स्वयं में बुराई ढूंढने और उसमें सुधार के प्रयास किये जाये। उन्होंने कहा कि सत्य बोलना बहुत ही अच्छी बात हैं। लेकिन वो सत्य जो नुकसानदायक हैं, अहितकर हैं। वो नहीं बोली जानी चाहिए। ठीक उसी प्रकार जैसे कोई व्यक्ति नेत्रहीन हैं और उसे अंधा बोला जाये तो उसे बुरा लगेगा।

उन्होंने कहा कि आपकी वाणी में मधुरता होनी चाहिए। आपकी वाणी कल्याणकारी होनी चाहिए। आपकी वाणी दूसरे के लिए हितकर होनी चाहिए। साथ ही वाणी पर नियंत्रण भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति ध्यान के द्वारा, परिवार,

जहां वो काम करता है या उसके जीवन में जो लोग बारबार आते रहते हैं। उनके साथ सामंजस्य बनाकर खुशियों को प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हम जिनके साथ रहते हैं। भले ही उनके लिए हमारा ज्यादा समय बीतता हो। पर यह भी याद रखना चाहिए कि जिनके लिए सब कुछ कर रहे हैं। उनके प्रति आपका आदर और उनके द्वारा कही जानेवाली बातों के प्रति आपका सम्मान भी दिखना चाहिए। क्योंकि ज्यादातर देखा जाता है कि हम जिनके साथ रहते हैं, उनका आदर करना और उनकी सुनना बंद कर देते हैं।

हमें हमेशा दूसरों को जो हमसे जुड़े हैं या नहीं जुड़े हैं या सहयोग मांगने आये हैं। उन्हें इनकरेज करना चाहिए। उनकी हर संभव मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खुशी का रहस्य है आत्मसुधा आपने अपने में सुधार कर लिया तो समझिये जिंदगी जी ली। उन्होंने एक बड़ा ही सुंदर उदाहरण दिया कि महात्मा गांधी जिन्होंने अहिंसा के बल पर भारत को स्वतंत्र कराने में सफलता प्राप्त की।

वो महात्मा गांधी कभी भी अहिंसा का प्रचारप्रसार नहीं करते थे। बल्कि अहिंसा को उन्होंने जिया। लोगों ने देखा कि कैसे महात्मा गांधी अहिंसा द्वारा अपने जीवन को जी रहे हैं और यही उनकी स्वतंत्रता आंदोलन का मूल आधार बना। उन्होंने कहा कि हमेशा याद रखिये कि अहिंसा केवल प्रेम और क्षमा से ही उत्पन्न होती है। जो गांधी में दिखती थी।

उन्होंने कहा कि क्षमा शक्तिशालियों का बल है। इसी से मन को शांति मिलती है। हर व्यक्ति क्षमा नहीं कर सकता। क्षमा करने के लिए एक बड़े आत्मबल की आवश्यकता होती है, जो सभी में नहीं होती। उन्होंने कहा कि हमेशा दूसरों के लिए आपके मन में आदर की भावना होनी चाहिए। जब आपको कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश करें तो आप स्वयं को नियंत्रित करने की कोशिश करिये। स्वयं को शांत रखने की कोशिश करिये और जब इससे भी बात नहीं बनती तो वहां से निकल जाने में ही भलाई समझे। लेकिन आत्मनियंत्रण इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। इसे किसी भी परिस्थिति में न भूलें।

नए सिरे से गठित होगी मिथिला सांस्कृतिक परिषद की कार्यकारिणी

बोकारो (ससे): बोकारो में मिथिला-मैथिली भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा रविवार को परिषद द्वारा संचालित सेक्टर ४ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के पूर्व महासचिव एवं बीएसएल के सेवानिवृत्त वरिष्ठ सतर्कता पदाधिकारी सतीशचंद्र झा ने की। बैठक के दौरान सांगठनिक सशक्तिकरण, संस्थाहित तथा विद्यालय के उत्थान में आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही ध्वनिमत से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने परिषद, मिथिला समाज तथा विद्यालय के हित में उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात सर्वसम्मति से परिषद की वर्तमान कार्यकारिणी समिति के गठन को इसलिए अमान्य घोषित किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया, क्योंकि उक्त कार्यकारिणी का गठन नियमानुसार न तो पीठासीन पदाधिकारी मंडल की सहमति से हुआ था और न ही उसकी स्वीकृति आमसभा से ली गई थी। इसके लिए अब पीठासीन पदाधिकारी मंडल द्वारा महासचिव नीरज चौधरी के साथ मिलकर नई एवं वैध कार्यकारिणी का गठन करने एवं उसे आमसभा से अनुमोदित कराए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। उपस्थित लगभग १०० सदस्यों ने ध्वनिमत से ताली बजाकर इस पर अपनी सहमति जतायी।

आमसभा की बैठक में परिषद के वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर द्वारा विद्यालय में हुई कथित वित्तीय अनियमितता के उठाये गए मामले की जांच को लेकर पांच सदस्यीय एक समिति के गठन का प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें अध्यक्ष सतीश चंद्र झा सहित सुदीप कुमार ठाकुर, डीके ईश्वर, दिलीप कुमार झा एवं जयप्रकाश चौधरी शामिल किए गए। इसके साथ ही उक्त सभी निर्णयों के अनुमोदन एवं अन्य विषयों पर विचार-विमर्श को लेकर के परिषद की अगली आमसभा आगामी २० अक्टूबर को पूर्वाह्न १०:३० बजे से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा आगामी १६ अक्टूबर को मिथिलांचल का प्रमुख पारम्परिक त्योहार कोजागरा महोत्सव मनाने का निर्णय भी लिया गया, जिसके लिए १० सदस्यों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का भार अरुण पाठक को दिया गया।

इसके पूर्व, बैठक के आरंभ में परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने आमसभा में उपस्थित सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पीठासीन पदाधिकारी मंडल के संयोजक विजय कुमार झा ने बैठक का विषय-प्रवेश कराया, वहीं वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर ने विद्यालय प्रबंधन समिति की कथित वित्तीय गड़बड़ी को आमसभा के पटल पर प्रस्तुत किया।

बैठक को कृष्ण चंद्र झा, सुदीप कुमार ठाकुर, रवीन्द्र झा, गंगेश पाठक, सुनील मोहन ठाकुर, विनय कुमार झा, श्रवण कुमार झा, अनिल मोहन ठाकुर आदि ने भी संबोधित किया। जबकि, इस अवसर पर मुख्य रूप से परिषद के पूर्व महासचिव राजेंद्र कुमार, बटोही कुमर, पीठासीन पदाधिकारी मंडल के डॉ. दुर्गानंद मिश्रा, प्रो. जयराम झा सहित जेपी चौधरी, मिहिर कुमार झा राजू, दुर्गाचरण चौधरी, सुभद्र चौधरी, हरिश्चंद्र झा, गोविंद कुमार झा, चंद्रकांत मिश्रा, इंद्र कुमार झा, अविनाश झा अवि, श्रीमोहन झा, विश्वनाथ झा, रमण कुमार ठाकुर, संजय चौधरी, प्रकाश झा, विमलकांत झा, मनोज कुमार झा, मिंटू झा, संतोष कुमार मिश्र, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित थे।

नहीं रहे साहित्यकार डॉ. नर नारायण तिवारी, साहित्यजगत में शोक

बोकारो (ससे): बोकारो के प्रसिद्ध साहित्यकार व साहित्यिक संस्था भारती साहित्य परिषद् के महामंत्री डॉ नर नारायण तिवारी नहीं रहे। उनके निधन से बोकारो का साहित्य जगत शोकाकुल है। बोकारो इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूल में वरीय हिंदी शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त, कई पुस्तकों के लेखक व साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहे बोकारो के सेक्टर ६ डी निवासी लगभग ७६ वर्षीय कवि डॉ नर नारायण तिवारी का निधन दिनांक १० अक्टूबर २०२४ को हो गया। वे अपने परिवार के साथ वृंदावन घूमने गए थे और वही पर उनका देहावसान हो गया। उनका पार्थिव शरीर लेकर परिवार के लोग पैतृक गांव बलिया ले गये हैं।

उनके निधन की सूचना पाकर बोकारो का साहित्य जगत मर्माहत है। भारती साहित्य परिषद् के संरक्षक व वरिष्ठ साहित्यकार सुख नंदन सिंह 'सदय', अध्यक्ष शिव कुमार सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, तुलानंद मिश्र, विजय शंकर मल्लिक, गिरिजा नंद झा 'अर्धनारीश्वर', डॉ आशा पुष्प, उदय कुमार झा, भुटकुन झा, डॉ परमेश्वर भारती, डॉ राम नारायण सिंह, रणधीर चंद्र गोस्वामी, डॉ नरेंद्र कुमार राय, अमन कुमार झा, जनवादी लेखक संघ के प्रहलाद चंद्र दास, ललन तिवारी, गोपाल प्रसाद, कुमार सत्येन्द्र, महेश मेहंदी, अशोक श्रीवास्तव, त्रिलोकी नाथ टंडन, प्रदीप कुमार दीपक, डॉ सरिता सिन्हा, राष्ट्रीय कवि संगम बोकारो महानगर अध्यक्ष अरुण पाठक, उपाध्यक्ष रीना यादव, समीर स्वरूप गर्ग, महासचिव करुणा कलिका, कवि सुबोध कुमार शैलांश, दिलकश बोकारवी, प्रो. पीएल वर्णवाल, कुमार राकेश, पूर्णेंदु पुष्पेश, गिरिधारी गोस्वामी, डॉ रंजना श्रीवास्तव, कस्तूरी सिन्हा, ज्योति वर्मा, शैलजा झा, क्रांति श्रीवास्तव, स्मिता, गीता कुमारी, अमृता शर्मा, सोनी, पूर्णिमा सुमन, सत्यदेव तिवारी, राजीव कंठ, मनोज कुमार निशांत, वेंकटेश शर्मा आदि ने गहरी संवेदना व्यक्त की है और उनके निधन को साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति करार दिया है।

बेटे ने मां समेत तीन को मारी गोली घरेलू झगड़े में घटी घटना

गिरिडीह (ससे): जिला के बिरनी थाना क्षेत्र में घरेलू झगड़े को लेकर पुत्र ने अपनी मां, भाई समेत तीन लोगों को गोली मार दी है. घटना के बाद तीनों को इलाज के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. घटना के बाद आरोपी फरार है. ये घटना गिरिडीह के बिरनी थाना क्षेत्र अंतर्गत भरकट्टा ओपी के पिपराडीह गांव की है. जहां पारिवारिक विवाद में पुत्र ने अपनी मां, भाई और भाई की पत्नी को गोली मार दी है. घटना में मोसोमात सोमरी (पति स्व. पोखन महतो), मुंशी यादव (पिता स्व. पोखन महतो) और मुंशी की पत्नी शामिल है. घटना को अंजाम देने का आरोप रीतलाल यादव पर है, जो घटना के बाद से है. जबकि घायल का इलाज धनबाद के पीएमसीएच में चल रहा है.

परिजनों और स्थानीय लोगों द्वारा घटना को लेकर बताया गया कि रीतलाल का घर के सदस्यों के साथ विवाद चल रहा है. इस विवाद में कई दफा पारिवारिक झगड़ा हो चुका है. इस बार भी आपस में झगड़ा शुरू हुआ तो बात बढ़ गई. बात बढ़ने के बाद रीतलाल ने पिस्टल से फायरिंग कर दी, उसने तीन गोली सोमरी को मारी. सोमरी की पीठ में दो गोली और हाथ में एक गोली लगी. जबकि मुंशी और मुंशी की पत्नी को एक-एक गोली लगी है.

स्थानीय मुखिया सहदेव यादव ने घटना की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि गोली लगने की जानकारी पर पुलिस पहुंची है और घायलों को इलाज के लिए धनबाद भेजा गया है.

इधर बताया गया कि जिस व्यक्ति पर गोली मारने का आरोप है, वह पूर्व में नक्सली संगठन से जुड़ा था. नक्सली कांड में वह जेल भी जा चुका है. भरकट्टा ओपी प्रभारी प्रभात रंजन ने बताया कि पारिवारिक विवाद में गोली चली है.

पुत्र ने ही गोली चलाई है. घायलों को इलाज के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. वहीं जिस व्यक्ति पर गोली चलाने का आरोप है उसकी खोज की जा रही है.

सांसद व विधायक ने किया पेट्रोल पंप का उद्घाटन

धनबाद (कासं): धनबाद के सांसद ढुलू महतो व टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने टुंडी-गिरिडीह मुख्य पथ पर रेघा मंझिलाडीह के पास प्रभा आदित्य पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया. मौके पर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ज्ञान रंजन सिन्हा भी मौजूद थे. सांसद व विधायक ने कहा कि यह पंप आम लोगों की सुविधा के लिए मील का पत्थर साबित होगा.

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता देवीशरण सिन्हा व सेवानिवृत्त शिक्षक धुर्जटी प्रसाद सिन्हा ने दोनों अतिथियों का स्वागत शाल ओढ़ाकर व गुलदस्ता भेंट कर किया. इस मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मूरत महतो, बीपीओ उमेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि फुलचंद किस्कु, भाजपा महामंत्री मनोज कुमार मिश्रा, गोपाल पाण्डेय, संजीव कुमार मिश्रा, विजय मंडल, दिनेश सिंह, फैनी यादव, नागेश्वर पंडित, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, सुनिल सिन्हा, डब्लू सिंह, दशरथ ठाकुर आदि मौजूद थे.

रांची के रास्ते गया व मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर (ससे): महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी, माननीया विधायक डॉ. नीरा यादव, माननीय विधायक श्री अमित कुमार यादव द्वारा ट्रेन संख्या ०२३५८ गया-लोकमान्य तिलक उद्घाटन स्पेशल को कोडरमा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर, गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन सेवा का आज शुभारंभ किया गया।

नई ट्रेन का नियमित परिचालन गाड़ी सं. २२३५८/२२३५७ गया-लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस द्वारा किया जायेगा । यह नई ट्रेन झारखंड और बिहार को मुंबई से संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस ट्रेन के शुरू होने से झारखंड एवं बिहार के विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों के लिए यह कदम एक अतिरिक्त लाभ होगा। यह सेवा मार्ग पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में भी मदद करेगी, जिससे स्थानीय व्यवसायों, पर्यटन और आस-पास के क्षेत्रों में व्यापार को लाभ होगा।

गया से यह ट्रेन सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनल से सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित किया जाएगा । इस ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का ०१ कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के ०२ कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के ०३ कोच, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के ०३ कोच, शयनयान श्रेणी के ०६ कोच तथा साधारण श्रेणी के ०४ कोच होंगे ।

गाड़ी सं. २२३५८ गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस गया से प्रत्येक बुधवार को १९.०० बजे खुलकर शुक्रवार को ०५.५० बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. २२३५७ लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गया एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल से प्रत्येक शुक्रवार को १३.१५ बजे खुलकर शनिवार को २२.५० बजे गया पहुंचेगी ।

अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगडा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, वर्द्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी।

अमूल के हवाले काशी विश्वनाथ का प्रसाद

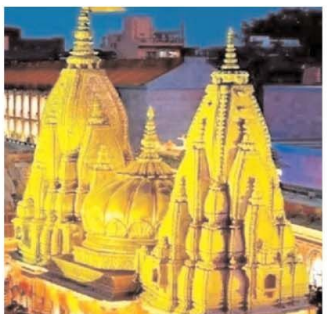

वाराणसी (ईएमएस): काशी विश्वनाथ में महाप्रसादम् की व्यवस्था बदल दी गई। अब गुजरात की कंपनी अमूल महाप्रसादम् तैयार करेगी। मंदिर प्रशासन के अचानक लिए गए फैसले के बाद ५ साल से प्रसाद तैयार करने वाले कारीगर बेरोजगार हो गए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास (प्रबंधन) ने यहां महा प्रसाद यानी लड्डू-पेड़ा तैयार करने की जिम्मेदारी २ संस्थाओं को दी है। इसमें पहली और प्रमुख संस्था महालक्ष्मी ट्रेडर्स है। दूसरी संस्था बेला पापड़ स्वयं सहायता समूह है।

दोनों मिलकर हर दिन करीब १ हजार किलो महा प्रसाद तैयार करते हैं। भास्कर टीम मंदिर से करीब १.५ किमी दूर महालक्ष्मी ट्रेडर्स के मालिक अशोक कुमार सेठ के घर पहुंची। इन्होंने घर को ही कारखाना बनाया हुआ है। यहां एक शिफ्ट में १६-२० महिला-पुरुष महा प्रसाद तैयार करते रहे हैं।

व्यवस्था बदलाव के बाद महालक्ष्मी ट्रेडर्स के अशोक सेठ से मिला। उन्होंने कहा - ५ साल से हम प्रसाद तैयार कर रहे थे। अब कारीगर बेरोजगार हो गए। मंदिर न्यास ने अंदर काउंटर पर लगाए गए सैकड़ों प्रसाद के डिब्बे वापस कर दिए। न्यास ने नई पैकिंग पर रोक लगा दी। काशी विश्वनाथ की फोटो लगवाकर महाप्रसाद के लिए छपवाए ५ लाख डिब्बे रद्दी हो गए। प्रसाद के लिए मंगाई गई १० लाख रुपए की सामग्री भी अब किसी काम की नहीं।

गया में असामाजिक तत्वों ने रामविलास पासवान की तोड़ी प्रतिमा

पटना (एजेंसी): लोजपा के संस्थापक और दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान की गया में स्थित प्रतिमा के साथ अभद्रता का मामला सामने आया है. जानकारी के मुताबिक, गया के नीमचक बथानी थाना इलाके के धर्म बगहा टोला के पास राम विलास पासवान की प्रतिमा स्थित है. जिसे असमाजिक तत्वों ने तोड़ दिया है. यह घटना शुक्रवार की रात की बताई जा रही है. शनिवार सुबह लोगों ने प्रतिमा को टूटा हुआ पाया. इसके बाद लोजपा-रामविलास के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है.

बता दें कि रामविलास पासवान के बेटे और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान अभी फ्रांस के दौरे पर हैं, इसलिए इस घटना पर अभी तक उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. हालांकि, लोजपा-रामविलास के सांसद और रामविलास पासवान के दामाद अरुण भारती ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कार्रवाई करने की मांग की है. अरुण भारती ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि गया में पद्मभूषण दिवंगत रामविलास पासवान की प्रतिमा को तोड़ा गया. इस घटना की वह कड़ी निंदा करते हैं. अरुण ने कहा कि रामविलास ने हमेशा दलितों और वंचितों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी. उनकी प्रतिमा का अपमान असहनीय है. यह समाज में जातिगत भेदभाव को उजागर करता है.

उधर गया जिला पुलिस ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि सुबह नीमचक बथानी थानाध्यक्ष को प्रतिमा तोड़े जाने की सूचना मिली. पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई. घटनास्थल के निरीक्षण से पता चला कि प्रतिमा का छोटा से भाग क्षतिग्रस्त हुआ है.

पुलिस ने बताया कि मूर्ति के क्षतिग्रस्त हिस्से को सही करवा दिया गया है. एसएसपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नीमचक बथानी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

आरोपी से पुलिस कर रही पूछताछ

जामाडोबा (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के तीन रमेश पासवान और चार नम्बर निवासी पिंटू राउत के घर में पिछले दिनों हुई चोरी प्रकरण में पुलिस ने एक संदिग्ध युवक भीम को पकड़कर पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके निशानदेही पर अन्य स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

पिंटू राउत पूरे परिवार के साथ दुर्गापुर में रहते हैं डुमरी घर में ताला बंद रहता है कभी कभार परिजन आते हैं वही रमेश पासवान का पूरा परिवार जमशेदपुर में रहता है। ३० सितंबर को रमेश ने जोड़ापोखर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पिछले दिनों ९ अक्टूबर को डुमरी निवासी जसवंत सिंह का मोटरसाइकिल संख्या जेएच १० एडब्ल्यू-७९४४ चोरी हुई है।

महाकुंभ में महामंडलेश्वर बनेंगे 71 दलित संत

लखनऊ (ईएमएस): २०२५ में प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से ७१ लोग महामंडलेश्वरबनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है।

सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है।

मान्यता प्राप्त १३ अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन २०१६ में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है।

ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवारों के नाम फाइनल

लखनऊ (एजेंसी) : यूपी उपचुनाव से पहले रविवार को दिल्ली में बीजेपी की बड़ी बैठक होने जा रही है.

इसमें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक शामिल होंगे. साथ ही यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी मौजूद रहेंगे. बीजेपी की अहम बैठक में उपचुनाव में प्रत्याशियों के नामों को लेकर चर्चा की जाएगी. जेपी नड्डा और अमित शाह भी बैठक में शामिल होंगे.

माना जा रहा है कि यूपी में १३ से २० तारीख के बीच उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है. यूपी में भाजपा ने हर सीट पर तीन से चार नाम का पैनल तैयार किया है. आज की बैठक में प्रत्याशी के पैनल पर चर्चा के बाद उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा. उपचुनाव में बीजेपी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है. यूपी बीजेपी उपचुनाव को लेकर इस बैठक में अपनी रणनीति तय करेगी. संगठन से जुड़े लोग भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक से पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है.

यूपी में १० सीटों सीसामऊ, फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझवां, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कटेहरी व कुंदरकी में उपचुनाव होने हैं. इनमें फूलपुर, खैर, गाजियाबाद व मझवां सीटें बीजेपी के खाते में थीं. मीराप-ुर सीट रालोद के हिस्से में थी. ६ सीटों करहल, सीसामऊ, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी व मझवां पर सपा का कब्जा था. सपा के बाद अब बीजेपी भी उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करने में जुटी है.

बता दें कि उपचुनाव में फूलपुर की सीट हॉट सीट बनी हुई है. यहां से अब तक ४० दावेदार सामने आए हैं. इन दावेदारों में पूर्व विधायक और शहर के कई बड़े बीजेपी नेता शामिल हैं. २०२२ में यह सीट बीजेपी के पास थी. यहां से प्रवीण पटेल ने चुनाव जीता था. २०२४ में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उनकी सीट खाली हो गई थी. कांग्रेस ने भी इस सीट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी.

कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर घटती जा रही है : जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन

नई दिल्ली (ईएमएस): जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि कांग्रेस की प्रासंगिकता कहीं ना कहीं एक राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर घटती जा रही है। वह एक राष्ट्रीय पार्टी है, एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका उन्हें निभानी चाहिए। कांग्रेस से जो देश की अपेक्षा है, वह कहीं न कहीं दिखा नहीं पा रहे हैं। ऐसे में नेतृत्व राहुल गांधी के पास रहे या प्रियंका गांधी के पास रहे। मुझे नहीं लगता है कि बहुत जल्द कांग्रेस के दिन बहुरने वाले हैं।

राजीव रंजन किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी के ब्यान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिन्होंने कहा है कि कांग्रेस की कमान प्रियंका गांधी को दी जाए तभी कांग्रेस का कुछ हो सकता है।

मुंबई में बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या पर जेडीयू प्रवक्ता ने कहा, वह बिहार के थे और बिहार के अनेक समारोहों में उनकी उपस्थिति होती थी। मुंबई के एक बेहद लोकप्रिय राजनेता थे। उनकी बतौर विधायक व मंत्री एक ऐसे नेता की छवि थी, जिन पर कभी किसी तरह के पक्षपात का आरोप नहीं लगा। कभी किसी आपराधिक घटना को लेकर उन पर कोई सवाल नहीं खड़े हुए। लेकिन जिस तरह से कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के वह शिकार हुए यह अत्यंत दुखद है।

लेकिन हमें एक बार जरूर स्वीकार करनी चाहिए कि मुंबई पुलिस ने बहुत जल्द दो शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसने भी सुपारी दी है उसका पकड़ा जाना बेहद अहम है। हमें पूरा विश्वास है कि महाराष्ट्र पुलिस ने पहले भी अच्छा काम किया है और इस मामले में भी वह बाबा सिद्दीकी और उनके परिजनों को न्याय दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

सामना में लिखा गया है कि हरियाणा की हार से कांग्रेस को सीख लेने की जरूरत है। इस पर जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि कांग्रेस के हरियाणा के प्रदर्शन के बाद सामना का जो लेख है और आप पार्टी के बड़े नेताओं के जिस प्रकार के बयान हैं।

अखिलेश यादव ने जो कुछ भी कहा उससे बिल्कुल साफ है कि कांग्रेस को उनकी जगह बताने की कोशिश शुरू हो गई है। 'सामना' के जरिए महाराष्ट्र के चुनाव में टिकटों के वितरण में कांग्रेस के अहंकार पर कठोर प्रहार किया गया है।

कुआं में गिरने से अधेड़ की मौत

बरवाअड्डा (ससे) : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ में शनिवार की रात कुंआ गिरने से एक अधेड़ नयन हाजरा की मौत हो गई। बताया जाता है कि रात के अंधेरे में पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गया। उसे कुएं में गिरते देख लोगों ने शोर मचाया। सूचना पाकर आजसू नेता राहुल हाजरा मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे बचाने का प्रयास किया. इसकी सूचना बरवाअड्डा थाना को भी दी. मौके पर बरवाअड्डा पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कुआं में गिरे नयन हाजरा को लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया.

उसे इलाज के लिए आनन-फानन में एसएनएमएमसीएच धनबाद ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

शक्तिपीठ बस्ताकोला में गायत्री हवन की पूर्णाहुति

धनबाद (कासं) : रविवार को गायत्री शक्तिपीठ बस्टाकोला में शारदीय नवरात्रि शुभ अवसर पर गायत्री हवन के विधिवत माध्यम से पूर्णाहुति की गई। जिसमें जिले भर से लगभग १ हजार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मीडिया प्रभारी भूपेंद्र शर्मा अधिवक्ता ने कहा कि उपरोक्त कार्यक्रम गायत्री मंदिर सिंदरी, गायत्री शक्तिपीठ जामाडोबा जहां गजेंद्र सिंह सक्रिय देखे गए।

थापरदी ड्राइवर कॉलोनी गायत्री ज्ञान मंदिर, ज्ञान मंदिर महुदा, गायत्री शक्तिपीठ कुमार डूबी, टुंडी प्रज्ञा मंडल महिला मंडल गायत्री शक्तिपीठ कोयला भवन हाउसिंग कॉलोनी प्रज्ञा मंडल/महिला मंडल शालीमार गायत्री ज्ञान मंदिर, शक्ति शक्ति शक्तिपीठ गायत्री ज्ञान मंदिर कतरास गायत्री शक्तिपीठ लघु अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया जिले में कुल ८ हजार कार्यकर्ताओं ने यज्ञ में भाग लेकर अपना एक बुराई त्यागने तथा एक अच्छाई ग्रहण करने का संकल्प लिया साथ ही पुंसवन संस्कार, नामकरण संस्कार, यज्ञोपवित संस्कार इत्यादि निःशुल्क संस्कार हुए इस अवसर पर हजारों आगंतुकों के लिए अमृत आसन की व्यवस्था की गई साथ ही अंत में आरती के साथ एवं शांति पाठ के साथ कार्यक्रम समापन हुई समापन के पश्चात विभिन्ननारो से शक्तिपीठ गूंज उठे जैसे नित्य सूर्य का ध्यान करेंगे अपनी प्रतिभा प्रखर करेंगे अगर रोकनी है बर्बादी बंद करो खर्चीली शादी नशा का जो हुआ शिकार उजड़ा उसका घर परिवार व्यक्ति की शक्ति नारी है समाज की शक्ति नारी है नर और नारी एक समान जाति वंश सब एक समान धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो प्राणियों के सद्भावना हो प्राणियों में सद्भावना हो विद्या का कल्याण हो २१ सी उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम को ममता सिंह, विभूति शरण सिंह ए के गौतम, भूपेंद्र शर्मा, दुलारी पाठक, जय श्री विश्वकर्मा, नमिता विश्वकर्मा, सुरेंद्र प्रसाद ,उमा शर्मा , हरिशचंद्र मिश्रा निमल चंद्र दास विनोद पटेल राजेंद्र प्रसाद इत्यादि के अलावा सैकड़ों लोगों की उपस्थिति थी।

चिरकुंडा में चैतन्य दुर्गा झांकी का समापन

निरसा (ससे) : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नेहरू रोड के प्रांगण में तीन दिवसीय चैतन्य दुर्गा झांकी का शनिवार की रात्रि समापन हुआ। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व विधायक अरूप चटर्जी,एसडीपीओ रजत मणिक बाखला, उद्योगपति विमल अग्रवाल व राजलक्ष्मी अग्रवाल ने विश्वविद्यालय सेंटर के ही कलाकारों द्वारा जीवंत दुर्गा, गणेश, लक्ष्मी, कार्तिक, सरस्वती व महिषासुर का रूप धर कर सजीव चित्रण प्रस्तुत करने पर भूरी भूरी प्रशंसा की। दूर दराज से आकर लोगों ने सेंटर आकर चैतन्य दुर्गा झांकी का दर्शन किए।

इसकी जानकारी देते हुए सेंटर की संचालिका बीके अर्चना ने बताया कि चैतन्य दुर्गा झांकी में देवी दुर्गा का आध्यात्मिक जीवन का रहस्य,देवी दुर्गा को आदि शक्ति शिव शक्ति क्यों कहा गया है,आखिर अष्टभुजा देवी दुर्गा का क्या रहस्य है व आखिर नवरात्रि पर जागरण का क्या अर्थ है इसको कलाकारों द्वारा चैतन्य झांकी द्वारा दिखाया गया। झांकी को सफल बनाने में बीके अर्चना के अलावे बीके पिंकी,उषा बहन, मुकेश पाण्डेय, जीतेन्द्र भाई, जोगेन्दर भाई, रघुपति गोराई, कृष्णा आदि थे।

गौरी लंकेश की हत्या के आरोपियों का स्वागत

बेंगलुरु,(ईएमएस): बेंगलुरु में पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के आरोपियों का यहां जोरदार स्वागत हुआ है, जिस पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इससे पहले गौरी लंकेश हत्याकांड के कुछ आरोपियों की रिहाई और जमानत मिलने पर ही गहरा विवाद छिड़ गया था, लेकिन आरोपी पारस-राम वाघमोर और मनोहर यादव को लेकर बताया जा रहा है कि शनिवार को कुछ हिंदुत्ववादी संगठनों द्वारा इनका भव्य स्वागत किया गया है। स्वागत व पूजा-पाठ का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

इस वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ हिंदुत्ववादी संगठनों ने आरोपियों को शॉल और माला पहना कर स्वागत किया है। वहीं धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया है। ऐसे किसी भी वीडियो की सत्यता की पुष्टि ईएमएस न्यूज एजेंसी नहीं करती है। जानकारी अनुसार इन आरोपियों के स्वागत के बाद कालीकादेवी मंदिर में पूजा और फिर शिवाजी महाराज की मूर्ति पर पुष्पमाला अर्पित की गई। इसे लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है।

यहां बताते चलें कि बेंगलुरु के सेशंस कोर्ट द्वारा हाल ही में गौरी लंकेश हत्याकांड में शामिल ०८ आरोपियों को जमानत दे दी गई है। वहीं इसी वर्ष माह सितंबर में, कर्नाटक हाईकोर्ट ने ०४ अन्य आरोपियों को भी जमानत दे दी थी। इसके बाद ९ अक्टूबर को सेशंस कोर्ट ने जमानत पर राहत प्रदान की, जिसके तुरंत बाद ११ अक्टूबर को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। कट्टर हिंदुत्ववादियों की विरोधी कही जाने वाली पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या से देशभर में हड़कंप मच गया था। न्याय के लिए चारों ओर से आवाजें उठीं थीं। उनकी हत्या ५ सितंबर २०१७ को घर से बाहर की गई, और तभी से कानूनी प्रक्रिया चल रही है।

इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिसंबर २०२३ को गौरी लंकेश हत्या मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत स्थापित करने के निर्देश भी दिए थे। इसके बाद ०९ अक्टूबर को हत्या के आरोपियों को बेंगलुरु सेशन कोर्ट से जमानत मिली और ११ अक्टूबर को प्रप्पाबा अग्रहारा जेल से रिहा कर दिया गया था। अब आरोपियों का स्वागत होने पर मामला गर्मा गया है।

भाईजान की फैमिली ने की दोस्तों और करीबियों से अपील, सलमान से ना मिलें

मुंबई,(ईएमएस): बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बांद्रा में उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। वहीं सलमान खान के परिवार ने उनके इंडस्ट्री में मौजूद कई दोस्तों और करीबियों से अपील की है कि वह सलमान से ना मिलें।

जानकारी के मुताबिक अपने बेहद करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी को खोने के बाद सलमान खान बहुत दुखी हैं। बाबा सिद्दीकी, सलमान खान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हाल ही में जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के साथ सलमान खान से मिलने उनके घर पहुंचे थे, तो उनका बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। सलमान भी एक सच्चे दोस्त की तरह इस दुखद घटना के बाद परिवार से मिलने पहुंचे। हालांकि, कल देर रात लीलावती अस्पताल से घर लौटने के बाद सलमान सो नहीं पाए और लगातार जीशान और परिवार का हालचाल पूछते रहे। बाबा सिद्दीकी परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया कि सलमान खान फोन पर अंतिम संस्कार की तैयारियों और हर छोटी-बड़ी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अगले कुछ दिनों के लिए अपनी सभी निजी मुलाकातें रद्द कर दी हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान के करीबी परिवार के सदस्य भी इस नुकसान से उतने ही दुखी हैं। अरबाज खान और सोहेल खान भी बाबा के बहुत करीब थे और बाबा के इन आयोजन में अक्सर जाया करते थे।

सड़क हादसे में महिला घायल

धनबाद (कासं) : तोपचांची थाना क्षेत्र के गोमो-तोपचांची मार्ग में एक वाहन की चपेट में आकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। हादसे में महिला का पैर टूट गया है। साथ ही शरीर में चोटें आयी है। घायल महिला की पहचान रघुनाथपुर निवासी सॉरी देवी (६५) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में में बताया जाता है कि महिला सड़क किनारे पैदल चल रही थी।

इसी दौरान एक वाहन ने महिला को टक्कर मार दी. इस हादसे महिला का पैर टूट गया है. साथ ही शरीर में चोट लग गयी। घटना के बाद ग्रामीणों ने १०८ एंबुलेंस को कॉल लगाया. लेकिन किसी ने उठाया नहीं। इसके बाद पीसीआर वैन से महिला को साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया। लेकिन दशहरा के कारण वहां कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं था। इस कारण यहां महिला का इलाज नहीं हो पाया। काफी मशक्कत के बाद महिला को १०८ एंबुलेंस से धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जोगता नागरिक समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : जोगता आवासीय कार्यालय पर जोगता नागरिक समिति की एक बैठक हुई, जिसमें मोदीडीह डम्प १२ को जल्द से जल्द चालू करने और मजदूरों की उचित मजदूरी को दिलाने पर चर्चा हुई। जिससे यहां के मजदूरों की आर्थिक तंगी से निजात मिले और डम्प १२ को प्रबंधन के द्वारा जल्द से जल्द चालू नहीं किया गया तो कम्पनी का चक्का जाम कर दिया जाएगा, और वही पर भाजपा के द्वारा गोगो मंईयां योजना का फारम भरा जा रहा है जो की इस प्रकार की कोई योजना नहीं है इससे यहां के लोगों को भ्रमित किया जारहा है और चुनाव सर पर है इसलिए वोट की राजनीति की जा रही है, जिसमें मुख्य रूप से जोगता नागरिक समिति के अध्यक्ष श्री अनुज कुमार सिन्हा, श्रीधर पान्डे, हसीब खान, असगर मियां, मंगल चौहान, मन्नु महतो निर्मल कुमार, सैया आलम, बिन्दवा देवी, प्रिती देवी, बबली देवी आदि लोग उपस्थित थे।

खाने में थूकने या पेशाब करने जैसे मामलों पर चुप्पी तोड़ें : स्वामी रामदेव

देहरादून (ईएमएस): योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा है कि ये आश्चर्य की बात है कि मुस्लिम धर्मगुरु खाने में थूकने या पेशाब करने जैसे मामलों पर चुप्पी साधे रहते हैं।। रामदेव ने कहा कि ऐसी घटनाओं से कुरान-ए-पाक का प्रचार नहीं होता बल्कि वह बदनाम होता है। बाबा रामदेव ने उत्तराखंड के कनखल में दशहरे के कार्यक्रम के दौरान योग गुरु रामदेव ने ये बातें कहीं।

कनखल के दिव्य योग मंदिर में बाबा रामदेव ने कहा कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर वायरल थूकने या पेशाब करने या गंदगी फैलाने के वीडियो सामने आए। ऐसी घटनाओं पर मुस्लिम मुल्लों, मौलवियों और धर्म गुरुओं को आगे आकर बोलना चाहिए।

इससे इस्लाम का प्रचार नहीं होता है। ऐसी घटनाएं कई बार हो चुकी हैं लेकिन मुस्लिम धर्मगुरु ऐसी घटनाओं पर मौन हो जाते हैं जबकि इसे रोकने के लिए उन्हें बोलना चाहिए। कट्टरता से ऐसी घटनाओं का विरोध करना चाहिए।

खड़गे ने कर्नाटक सरकार को जमीन लौटाई

बेंगलुरु(ईएमएस): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार ने कर्नाटक सरकार को पांच एकड़ जमीन लौटाने का फैसला किया है, जो खड़गे परिवार के सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई थी। खड़गे ने यह कदम मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी स्कैम की जांच के बीच उठाया है। यह पांच एकड़ जमीन खड़गे के बेटे राहुल एम खड़गे को कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरियास डेवलपमेंट बोर्ड की तरफ से बागालुर के हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क में हार्डवेयर सेक्टर में दी गई थी। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बीएम ने ३० सितंबर को मुदा को १४ प्लॉट वापस करने की बात कही थी। इसे लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि मेरे खिलाफ चल रहे राजनीतिक षड्यंत्र से आहत होकर मेरी पत्नी ने प्लॉट वापस करने का फैसला लिया है।

दरअसल, मुदा ने ३० सितंबर को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इससे पहले मैसूरु लोकायुक्त ने २७ सितंबर को सभी के खिलाफ केस दर्ज किया था। लोकायुक्त ने १ अक्टूबर से मामले की जांच शुरू कर दी है। विवाद की शुरुआत मार्च २०२४ में हुई, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन आवंटित की। खड़गे के बेटे राहुल इस ट्रस्ट के अध्यक्ष थे। भाजपा ने इसकी आलोचना की थी। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सरकार पर 'सत्ता का दुरुपयोग' और 'परिवारवाद' का आरोप लगाया। यह पांच एकड़ जमीन सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को अनुसूचित जाति कोटे के तहत आवंटित की गई थी।

अजय जडेजा जामनगर राजघराने के उत्तराधिकारी बने

जामनगर(ईएमएस): गुजरात के जामनगर के जाम साहब शत्रुशल्य सिंहजी ने अपने राजघराने के वारिस का ऐलान कर दिया है। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा को अपना उत्तराधिकारी चुना है। शत्रुशल्य सिंहीजी ने कहा, मुझे आनंद है कि अजय जडेजा नवानगर के नए जाम साहब होंगे।

बीजेपी सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने बगावत की खबरों को बेबुनियाद बताया

नई दिल्ली (ईएमएस) : गुरुग्राम से बीजेपी सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने बगावत की खबरों को निराधार बताया है। मीडिया में कहा गया कि इंद्रजीत के साथ ९ विधायक हैं और वे हरियाणा के सीएम पद की मांग पर अड़े हुए हैं। हालांकि, राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट करके खुद ही चीजों को साफ कर दिया। उन्होंने इस तरह की खबरों को पूरी तरह से गलत बताया। इंद्रजीत सिंह ने लिखा, कुछ मीडिया चैनलों पर तथ्यहीन खबरें चलाई जा रही हैं, जिनमे मुझे ९ विधायकों के साथ बगावती दिखाया जा रहा है। यह सब तथ्यहीन, आधारहीन समाचार है। मैं और सभी साथी विधायक भारतीय जनता पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हुए हैं।

हाल ही में हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल ९० में से ४८ जीतों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस के खाते में ३७ सीटें गई। खास बात यह है कि दक्षिण हरियाणा के अहीरवाल क्षेत्र में बीजेपी ने ११ में से १० सीटों पर विजय पताका लहराया। यहां के ज्यादातर उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री और गुड़गांव के सांसद राव इंद्रजीत सिंह के करीबी माने जाते हैं। राव की बेटी आरती सिंह राव ने अटेली सीट से जीत दर्ज की। वह भी इस बार मंत्री पद की दौड़ में शामिल बताई जा रही हैं।

मालूम हो कि इंद्रजीत सिंह केंद्र में प्लानिंग, कल्चर और स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्रामिंग इम्प्लिमेंटशन विभाग के राज्यमंत्री हैं। इनके अलावा, अनिल विज का भी नाम सीएम पद की रेस में चल रहा था। उन्होंने खुद इसे लेकर अपनी इच्छा जाहिर थी। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा आलाकमान ने यह साफ कर दिया था कि नायब सिंह सैनी ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, शपथ ग्रहण को लेकर केंद्रीय मंत्री व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अधिक जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमें प्रधानमंत्री की मंजूरी मिल गई है और १७ अक्टूबर को पंचकूला में मुख्यमंत्री व उनके मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

यह समारोह पंचकूला के सेक्टर पांच स्थित दशहरा मैदान में सुबह १० बजे होगा। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और कुछ अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

घर में घुसकर अपराधियों ने फोड़ा बम

धनबाद (कासं) : जिले के अलकडीहा ओपी अंतर्गत सुरुंगा में अपराधियों ने रैयत विस्थापित ग्रामीण मोर्चा के पांडव रजक के घर में पहुंचकर आतंक मचाया। अपराधियों ने बम भी फोड़ा। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हां, एस्बेस्ट्स का घर क्षतिग्रस्त हो गया। भुक्तभोगी पांडव रजक ने इसकी सूचना अलकडीहा ओपी प्रभारी को दी। फोन पर सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी रजक के घर पहुंचे. स्थिति का जायजा लिया। पांडव रजक ने बताया कि वे लोग घर में सोए हुए थे। इसी बीच, रात के करीब १२:४० बजे अपराधी घर में आ धमके. बम फोड़ना शुरू कर दिया। कुछ ही देर बाद अपराधी वहां से भाग गए. बम फूटने की आवाज सुनकर काफी संख्या में ग्रामीण जुट गए. फिलहाल पांडव रजक का परिवार सदमे में है. अपराधियों ने बम क्यों फोड़े, इसके कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धू-धू कर जलने लगा रावण का पुतला

कतरास (ससे) : दुर्गापूजा समिति टाटा माल्केरा चैतुडीह के तत्वावधान में विजयादशमी के अवसर पर रविवार रात रावण वध का आयोजन किया गया। माल्केरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में जैसे ही सांसद ढुल्लू महतो ने चालीस फीट ऊंची रावण के नाभी में तीर मारा, इलाका जय श्रीराम की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा और पुतला धू-धू कर जल उठा। इसके पूर्व आतिशबाजी का दौर चला।

टाटा झरिया डिवीजन के महाप्रबंधक संजय राजोरिया, सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न महतो, जिप प्रतिनिधि जितेश रजवार, सिजुआ समूह के चीफ विकास कुमार, सोनू श्रीवास्तव, महमूद आलम, टिंकू तिवारी, मुखिया विनोद रजक व अंजना देवी, भुनेश्वर साव, उज्ज्वल चटर्जी, रिंटू रजक, विजय रजक, मोंटी ठाकुर, मनोज ठाकुर, ईश्वर दयाल सिंह सहित हजारों की भीड़ जुटी थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी एक हरियाणा तो दो यूपी के

मुंबई,(ईएमएस): मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान हरियाणा के रहने वाले गुरमैल बलजीत सिंह (२३) और यूपी में बहराइच के रहने वाले धर्मराज राजेश कश्यप (१९) के रूप में हुई है जबकि तीसरा शूटर अभी फरार है। उसका नाम शिवकुमार गौतम उर्फ शिवा (२०) है और वह भी यूपी के बहराइच का ही रहने वाला है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या को मुंबई पुलिस ने कॉन्टैक्ट किलिंग बताया है। अब क्राइम ब्रांच इस वारदात को अंजाम देने वाले शूटरों के मास्टरमाइंड को तलाश रही है। जब मुंबई क्राइम ब्रांच ने यूपी पुलिस से इनकी क्रिमिनल हिस्ट्री के लिए संपर्क किया तो दोनों आरोपियों के खिलाफ जिले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं है।

धर्मराज राजेश कश्यप और शिवकुमार गौतम उर्फ शिवा बहराइच जिले के कैसरगंज थाना क्षेत्र के गंडारा कस्बे के रहने वाले हैं। हालांकि हरियाणा के रहने वाले गुरमैल बलजीत के खिलाफ हत्या का एक मुकदमा पहले से दर्ज है।

जानकारी के मुताबिक कि धर्मराज कश्यप और शिवकुमार मजदूरी करने के लिए पुणे आए थे। शिवा करीब पांच साल से पुणे में एक स्क्रैप व्यापारी के यहां काम करता था। शिवा ने कुछ महीनों पहले धर्मराज को भी पुणे काम करने बुला लिया। सुपारी देने वाले व्यक्ति ने शिवा और धर्मराज से गुरमैल की मुलाकात करवाई। हालांकि क्राइम ब्रांच इस बात का पता लगा रही है कि ये दोनों पुणे से मुंबई कैसे पहुंचे।

पुलिस के मुताबिक, १२ को रात ९:१५ से ९:३० बजे के बीच, जब बाबा सिद्दीकी अपने कार्यालय बांद्रा (पश्चिम) से अपने घर जा रहे थे। तभी तीन बदमाशों ने उन पर गोलियां बरसाई। बाबा सिद्दीकी को तुरंत इलाज के लिए लीलावती अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

इस त्रासदी को राजनीतिक तमाशा बनाने के बजाय सम्मान और करुणा दिखाएं : अजित पवार

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का राजनीतिकरण न किया जाए और राज्य सरकार दोषियों को सजा मिलने तक चैन से नहीं बैठेगी। अजित पवार ने कहा कि राकांपा बाबा सिद्दीकी की मौत से बहुत दुखी है जो ऐसे नेता थे जिन्हें काफी लोग बहुत प्यार करते थे और व्यक्तिगत रूप से उन्होंने एक प्रिय मित्र को खो दिया है जिसे वह वर्षों से जानते थे। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि, हमारा दिल टूट गया है और इस घटना की क्रूरता से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

यह सिर्फ एक राजनीतिक क्षति नहीं है, यह एक गहरी व्यक्तिगत त्रासदी है जिसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। अजित पवार ने कहा, मैं सभी से दृढ़तापूर्वक आग्रह करता हूं कि वे इस भयावह घटना का राजनीतिकरण न करें। यह विभाजन का या राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की पीड़ा का फायदा उठाने का समय नहीं है। फिलहाल, हमारा ध्यान न्याय सुनिश्चित करने पर होना चाहिए। सरकार हत्या के दोषियों को सजा दिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी। अवसरवादी आवाजों को इस त्रासदी को राजनीतिक तमाशा बनाने देने के बजाय सम्मान और करुणा दिखाएं।

सड़क हादसे में 4 की मौत, सीएम ने जताया दुख

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को नालंदा में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया है. नालंदा में दो बाइकों की टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई थी. यह हादसा सरमेरा इलाके के बड़हिया रोड पर हुआ था. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है.

उन्होंने नालंदा जिले के सरमेरा थाना इलाके के बढ़िया गांव के पास हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की.

बता दें कि बिहार के नालंदा में शनिवार रात भीषण सड़क हादसा हुआ था. सरमेरा थाना क्षेत्र के बिहटा सरमेरा एनएच-७८ पर बढ़िया गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मार दी थी. इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह सभी मेला देखकर लौट रहे थे. हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. दोनों घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. वहीं पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक के परखच्चे तक उड़ गए. घटना के बाद अज्ञात वाहन का ड्राइवर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने बताया कि फरार चालक की तलाश जारी है. घायलों की पहचान सूरज कुमार और राजहंस कुमार के रूप में हुई है.

सभी को उपचार के लिए पटना रेफर कर दिया गया. मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. परिजनों ने बताया कि सभी मेले देखने गए थे. हमें इस बात का बिल्कुल भी अंदेशा नहीं था कि यह अब कभी लौटकर ही नहीं आएंगे. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

पूजा पंडाल में अंधाधुंध फायरिंग, 4 घायल

आरा (ईएमएस): बिहार में अपराधों की कोई कमी नहीं है। दावे और हकीकत में जमीन आसमान का अंतर है। यहां आए दिन हत्याएं हो रहीं है। नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग स्थित पूजा पंडाल में रविवार की सुबह बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान पूजा समिति के सदस्य सहित चार लोगों को गोली लग गई।

घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश हथियार लहराते हुए मौका से फरार हो गए। सभी ज़ख्मियों को इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया.

झारखंड के लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी): झारखंड में गढ़वा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत लखैया गांव में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान जमकर बवाल हुआ. इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने चिंता जताई है. उन्होंने झारखंड सरकार पर मुसलमानों से प्रेम करने का आरोप लगाया है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि झारखंड में ऐसी घटनाएं आम बात हैं. हेमंत सरकार जब रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की शरणस्थली बन जाएगी, तो वोट बैंक के लालच में मुस्लिम समुदाय की जो भी गतिविधियां होंगी, उसे नजरअंदाज कर दिया जाएगा.

उन्होंने आगे कहा, सुनने में आया है कि झारखंड के गढ़वा जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान उपद्रवियों द्वारा सड़क जाम की जा रही थी. सरकार को ऐसी घटनाओं पर ध्यान देना चाहिए. अगर गढ़वा के लोग गढ़वा में मूर्ति विसर्जन नहीं करेंगे, तो कहां जाएंगे और कहां से रास्ता ढूंढेंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड में तुष्टीकरण की नीति, हेमंत सोरेन का मुस्लिम प्रेम, झारखंड के अंदर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की घुसपैठ और आदिवासियों के साथ लव जिहाद के मामले बताते हैं कि झारखंड अब सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है. झारखंड के गढ़वा जिले की घटना इसका परिणाम और उदाहरण है.

इस मामले पर झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने एक्स पोस्ट में लिखा, गढ़वा में एक गांव में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन पिछले ६-७ घंटों से रोक रखा है. पुलिस, विसर्जन रोककर धार्मिक उन्माद फैलाने वाले लोगों पर कार्रवाई करने की बजाय सिर्फ चिरौरी कर रही है. झारखंड पुलिस के डीजीपी तुरंत संज्ञान लेकर विसर्जन रोकने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई करते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन सुनिश्चित कराएं, अन्यथा क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है.

फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीम गांव में मौजूद है और मामले को सुलझाने में जुटी हुई है. सुरक्षा के मद्देनजर गांव में भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात है. बताया जा रहा है कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर दो गुट एक दूसरे के आमने सामने खड़े हो गए. इस दौरान पथराव भी हुआ जिसमें कई लोग घायल हो गए. बताया जा रहा है कि सारा विवाद मूर्ति विसर्जन के रास्ते को हुआ.

पटना में बनेगा मल्टी मॉडल हब

पटना (एजेंसी): पटना के निवासियों को जल्द ही एक मल्टी मॉडल हब मिलने वाला है. इस हब के शुरू होने से पटना जंक्शन पर होने वाले भारी जाम से लोगों को राहत मिलेगी. मल्टी मॉडल हब से न केवल पटना के विभिन्न इलाकों के लिए बल्कि आसपास के शहरों के लिए भी बसों का संचालन शुरू होगा.जानकारी के लिए बता दें कि इस हब में नगर बस सेवा का संचालन भी होगा, साथ ही २२५ कारों की पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी. यहां से लोग पटना के अलग-अलग रूटों और आसपास के शहरों के लिए बसों की सेवा का लाभ उठा सकेंगे. जब यात्री रेल मार्ग से पटना जंक्शन पहुंचेंगे, तो उन्हें यहां से सभी रूटों की बसें आसानी से मिलेंगी. इससे कार पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी, जिससे यात्रियों को और सहूलियत होगी. साथ ही मल्टी मॉडल हब में ग्राउंड फ्लोर से नगर बसों का संचालन होगा. इस हब में एक साथ ३२ बसों के लिए प्लेटफॉर्म बनाया गया है, जबकि ५० अन्य बसों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है. सभी प्लेटफॉर्म पहले से ही तैयार हो चुके हैं और ढलाई का काम भी पूरा हो चुका है.

इसके अलावा, मल्टी मॉडल हब से पटना जंक्शन के विभिन्न प्लेटफार्मों तक जाने के लिए भी सुविधाएं बनाई जा रही हैं. इस हब के निर्माण के बाद लोगों को पटना जंक्शन पर आने-जाने में आसानी होगी. यह हब यात्रियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि जाम से भी छुटकारा मिलेगा. साथ ही इस हब के जरिए यात्री एक ही स्थान पर विभिन्न परिवहन साधनों का उपयोग कर सकेंगे, जिससे उनकी यात्रा को और भी सरल और सुविधाजनक बनाया जा सकेगा. कुल मिलाकर, मल्टी मॉडल हब पटना के विकास में एक नया आयाम जोड़ने जा रहा है, जिससे राजधानीवासियों को कई लाभ होंगे.

बाबा सिद्दीकी की हत्यारों ने उगले कई राज

पटना (एजेंसी): महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और छउझ (अजित पवार गुट) के सीनियर नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने हड़कंप मचा दिया है. बाबा सिद्दीकी को तीन लोगों ने गोली मारी है. मुंबई पुलिस ने २४ घंटे के भीतर दो आरोपियों को पकड़ लिया है. सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को इस हत्याकांड में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं. बाबा सिद्दीकी की हत्या पूर्व नियोजित थी. पुलिस के मुताबिक, अपराध शाखा ने मामले की विभिन्न कोणों से जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें संभावित कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता आदि शामिल है. पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों की पहचान भी उजागर की है. दोनों आरोपियों में से एक की पहचान हरियाणा के मूल निवासी गुरमेल सिंह और उत्तर प्रदेश के धर्मराज कश्यप के रूप में हुई है.

सूत्रों के मुताबिक बाबा सिद्दकी मर्डर केस में ४ स्पेशल टीम भी बनाई है जो मुम्बई के बाहर जाकर जांच करेंगी. तीन में से २ शूटर्स यूपी और हरियाणा के रहने वाले है. शूटर्स को १५ दिन पहले ९एमएम^2 की पिस्टल मुहैया करवाई थी. दोनों आरोपियों के नाम धर्मराज और करनैल बताया जा रहा है. गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के नाम करनैल सिंह, जो हरियाणा का रहने वाला है और धर्मराज कश्यप जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है. मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बाबा सिद्दीकी के घर और दफ्तर की रेकी की थी, वे डेढ़ से दो महीने से मुंबई में थे और उन पर नजर रख रहे थे. तीसरे आरोपी की तलाश जारी है. मुंबई क्राइम ब्रांच की कई टीमें इस मामले की जांच कर रही हैं.

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से मुंबई क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, आरोपियों को इस काम के लिए पहले से पैसे दिए गए थे. उन्हें कुछ दिन पहले ही हथियारों की डिलीवरी मिली थी.

इस हत्याकांड ने बिहार की राजनीति को भी हिला दिया है, क्योंकि बाबा सिद्दीकी का रिश्ता बिहार से भी था. बाबा सिद्दीकी गोपालगंज जिले के मांझा गांव के रहने वाले थे, लेकिन काम की तलाश में पहले कोलकाता और फिर मुंबई चले गए थे. हालांकि, गांव के विकास और समाजसेवा के कामों में वे सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे. वह गोपालगंज के विधायक रह चुके हैं.

दशहरा मेला देखने गई महिला से छेड़छाड़, मारपीट में 9 घायल

पटना (ईएमएस): बिहार के विकास नगर में महिला से छेड़खानी को लेकर बवाल हो गया। दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मारपीट में दोनों पक्ष के नो लोग घायल हो गए हैं। घायलों में एक गर्भवती महिला भी है। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि चोन्दी मोहल्ले में पति के साथ किराए के घर में रहती है। दशहरे यानी विजयदशमी के दिन पति, बच्चों और परिजनों के साथ मेला देखने पंचशील नगर आई थी। घर लौटते समय तीन लोगों ने उसके साथ छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर पति के साथ मारपीट करने लगे। मेरा मायके भी पास में ही था। बच्चों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद सभी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता के भाई ने बताया कि जब हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो १० से १२ लोग मेरे बहनोई के साथ मारपीट कर रहे थे। हम लोगों से मारपीट करने लगे। मारपीट में अक्षय कुमार, गौरव कुमार, सौरव कुमार, राहुल कुमार, मिथुन कुमार घायल हो हुए हैं।

वहीं, दूसरे पक्ष के बिट्टू ने बताया कि वह आपस में बातचीत कर रहे थे। महिला को लगा को उसके बारे में बात कर रहे हैं। इस बीच अचानक महिला के समर्थन में कुछ लोग वहां आ गए और मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव में कुसुम देवी, शर्मीला देवी, सुशीला देवी और पम्मी कुमारी घायल हो गई। पम्मी गर्भवती है, उसे भी नहीं छोड़ा।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में मौजूद बाढ़ थाना के एएसआई धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

पटना में मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा,कार ने मचाया उत्पात

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान थाना अंतर्गत एग्जिबिशन रोड में जमकर हंगामा हुआ है. दरअसल हंगामा उस समय होने लगा जब मूर्ति विसर्जन करने जा रही. डीजे ट्रॉली में एक अनियंत्रित दणत ७०० कार ने जोरदार टक्कर मारी और भागने लगा. इसमें एक बच्ची समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिसके बाद उग्र भीड़ ने कार को घेर उसके चालक की जमकर पिटाई कर दी और कार को छतिग्रस्त कर दिया. वहीं घटना की सूचना पर दो थानों के पुलिस के साथ मौके पर डीएसपी २ गांधी मैदान प्रकाश कुमार भी पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर शांत करवाया.

5 देशरत्न मार्ग में रहने वाले नहीं पूरा कर पाते हैं कार्यकाल

पटना (एजेंसी) : बिहार के उप-मुख्यमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता सम्राट चौधरी आखिरकार ५ देशरत्न मार्ग में शिफ्ट हो गए हैं. डिप्टी सीएम के रूप में उन्हें यह बंगला अलॉट हुआ है. इस बंगले को अभिशापित कहा जाता है, क्योंकि इस बंगले में आज तक कोई भी डिप्टी सीएम अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है. २०१५ में इसे डिप्टी सीएम के रहने के लिए अलॉट किया गया था. तब से आजतक कोई भी डिप्टी सीएम यहां अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया. अब सम्राट चौधरी इस बंगले में शिफ्ट हुए हैं. उसके पास भी पांच साल का पूरा कार्यकाल नहीं बचा है. हालांकि, सम्राट चौधरी इसे अभिशापित नहीं मानते हैं. उनसे जब इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब दिया कि बंगला डिस्प्यूटेड नहीं होता है, लोग डिस्प्यूटेड होते हैं. उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह घर कोई मायने नहीं रखता है. यह सरकारी घर है, तो यहां मैं सरकारी काम करूंगा.

बता दें कि २०१५ में जब बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो तेजस्वी यादव को डिप्टी सीएम बनाया गया. उनके रहने के लिए ५ देशरत्न मार्ग आवंटित हुआ. हालांकि, ये आवास तब सुर्खियों में आया जब तेजस्वी के रहने के लिए इसे फाइव स्टार होटल की तर्ज पर विकसित किया गया और तमाम सुख-सुविधाएं बहाल की गईं. २०१७ में नीतीश ने पाला बदला तो इस बंगले को तेजस्वी यादव खाली नहीं कर रहे थे. जिसके बाद उन्हें हाईकोर्ट से फटकार पड़ी. जब उन्होंने बंगला खाली किया तो डिप्टी सीएम बने सुशील मोदी यहां दाखिल हुए. सुशील मोदी भी २०२० तक डिप्टी सीएम रह सके. २०२० में बीजेपी के तारकिशोर प्रसाद को डिप्टी सीएम के रूप में यह बंगला मिला. लेकिन वह भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके.

२०२२ में नीतीश ने फिर पाला बदला और बंगला एक बार फिर से तेजस्वी यादव को मिल गया. २८ जनवरी २०२४ को नीतीश कुमार ने फिर पलटी मारी और तेजस्वी को डिप्टी सीएम पद से हाथ धोना पड़ा. अब इसेबंगले का दोष कहिये या फिर सियासी उलटफेर, यह बंगला किसी एक के पास टिक कर नहीं रहता है. सम्राट चौधरी के यहां शिफ्ट होने पहले यह बंगला सुर्खियों में आ गया था. बीजेपी नेताओं ने तेजस्वी यादव पर बंगले से कीमती सामान अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है. भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव ने बंगला खाली किया, लेकिन कीमती सामान को उखाड़ कर ले गए. वहीं राजद ने इसे घटिया राजनीति करार दिया है. राजद ने इस मामले में कोर्ट तक जाने की धमकी दी है.

रावण दहन के दौरान झुलसे पप्पू यादव

पटना (एजेंसी): पूरे देश में शनिवार को बड़ी धूमधाम से दशहरा मनाया गया. अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक इस महापर्व देशभर में रावण दहन का कार्यक्रम हुआ. बिहार में भी काफी धूमधाम से रावण दहन का कार्यक्रम किया गया. पटना से लेकर गया, मधेपुरा, पूर्णिया समेत सभी जिलों में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया. गांधी मैदान में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रावण वध कार्यक्रम का उद्घाटन किया. वहीं पूर्णिया के दशहरा मेले में सांसद पप्पू यादव ने रावण दहन किया. इस दौरान सांसद के साथ एक बड़ा हादसा हो गया. पूर्णिया के मरंगा में ५५ फीट ऊंचे रावण के पुतले में जैसे ही सांसद पप्पू यादव ने आग लगाई, वैसे ही एक रॉकेट उनकी तरफ आ गया. रॉकेट से निकली एक चिंगारी से सांसद घायल हो गए. बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक चिंगारी पप्पू यादव की दाहिनी आंख में गिरी. डॅाक्टर उनके इलाज में जुटे हैं. बता दें कि मरंगा में ५५ फिट का रावण बनाया गया था. सांसद पप्पू यादव ने रावण वध किया. इस दौरान भव्य आतिशबाजी भी देखने को मिली. आयोजन कमेटी के संरक्षक नागेन्द्र यादव ने कहा कि यहां ५५ फिट ऊंचा रावण का पुतला का दहन किया गया है.

उन्होंने कहा कि २०२१ से ही यहां पर रावण वध की परंपरा चल रही है. वहीं इस दौरान पप्पू यादव ने कहा कि आज अपने अंदर के रावण को मारने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि रावण वध में कुछ रावण जैसे नेता भी तीर चला कर रावण का वध कर रहे हैं. यह कैसा रावण वध है. उन्होंने कहा कि आज राम है कहां. राम और कृष्ण तो समाप्त हो चुके हैं. ९०% लोग रावण हैं. लोगों का कहना है कि सांसद पप्पू यादव का निशाना बीजेपी नेताओं की ओर था.

सीएम योगी की मां की बिगड़ी तबीयत,भर्ती

लखनऊ (ईएमएस): यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी की तबीयत फिर खराब हो गई जिसके बाद उन्हें जौलीग्रांट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्हें अलग वार्ड में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक सीएम योगी की मां सावित्री देवी की अचानक तबीयत खराब हो गई. जिसके बाद आनन-आनन फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज डॉक्टरों की एक टीम कर रही है। योगी की माता सावित्री देवी की इससे पहले भी कई बार तबीयत खराब हो चुकी है। इसी साल जून में सावित्री देवी की तबीयत खराब होने के बाद ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया था। बता दें सीएम योगी की मां सावित्री देवी उत्तराखंड के यमकेश्वर ब्लॉक के पंचूर गांव में अपनी बेटी के साथ रहती हैं।

प्रपत्र VII
झारखण्ड सरकार
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय),या, समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम-30/2013 की धारा-19(1) के अधीन)

अधिघोषणा सं0-1493 — दिनांक-07/10/2024
असाधारण अंक सं0- 22 — दिनांक-08/10/2024

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना डाउन ट्रेन हेतु प्रस्तावित गोमो फ्लाई ऑवर हेतु अपेक्षित है, **ग्रामः-महथाडीह, थाना सं0-55, अंचल-तोपचांची** जिला-धनबाद में कुल-1.0375 एकड़ यानि 0.4200 हे0 भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोशणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो मानक माप से कमोवेश 1.0375 एकड़ है और **ग्रामः-महथाडीह, थाना सं0-55 अंचल-तोपचांची** जिला धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्रं सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्व व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1.	4	447	निजी	वाईद	0.1000	भुसिया देवी पति भोला महतो, फागु महतो पिता – सुखलाल महतो	रामा कुण्डा	448 449	रामा कुण्डा	453
2.	23	11	निजी	गोड़ा –3	0.0025	तराचंद मंडल, बब्लु कुमार मंडल पिता – पोस्तु मंडल, कालीचरन मंडल दुखु मंडल पिता – नारायण मंडल	1	7	12	1
3	3	378	निजी	वाईद	0.0550	भुसिया देवी पति भोला महतो फागु महतो पिता सुखलाल महतो	604	379	377	305
4	3	379	निजी	वाईद	0.0650	अम्बिया देवी पति रामेश्वर महतो	378	384	380	305
5	3	384	निजी	वाईद	0.0500	अम्बिया देवी पति रामेश्वर महतो	379	385	379	305
6	3	385	निजी	वाईद	0.0850	तुलसी महतो, प्राण महतो, मनी महतो पिता सोहराय महतो, भुनेश्वर महतो, नारयन महतो पिता – शुकु महतो, विश्वनाथ महतो, महेन्द्र महतो, मनोज महतो पिता बिंदेश्वर महतो सोमर महतो पिता – तेजो महतो रश्मी देवी पति – बुधन महतो	384	304	383	305
7	3	415	निजी	वाईद	0.2600	भुसिया देवी पति – भोला महतो, फागु महतो पिता – सुखलाल महतो	385	417	414	305
8	51	300	निजी	वाईद	0.1350	गनेश महतो, टेकलाल महतो पिता – भीम महतो, शांती देवी पति – अजय महतो, प्रेम महतो पिता – ललीत महतो, संतोष महतो पिता ठाकुर महतो, चुनी महतो, चिंतामनी महतो, शिवदयाल महतो पिता – मेघु महतो	301	299	305	279
9	3	298	निजी	वाईद	0.1900	गनेश महतो, टेकलाल महतो पिता भीम महतो, शांती देवी पति – अजय महतो, प्रेम महतो पिता – ललीत महतो, संतोष महतो पिता ठाकुर महतो, चुनी महतो, चिंतामनी महतो, शिवदयाल महतो पिता – मेघु महतो	300	297	305	296
10	3	297	निजी	गोड़ा –3	0.0500	गनेश महतो, टेकलाल महतो पिता – भीम महतो शांती देवी पति – अजय महतो, प्रेम महतो पिता – ललीत महतो, संतोष महतो पिता ठाकुर महतो, चुनी महतो, चिंतामनी महतो, शिवदयाल महतो पिता – मेघु महतो	298	305	305	296
11	4	296	निजी	वाईद	0.0450	अम्बिया देवी पति रामेश्वर महतो	299	295	305	285
		कुलः-			1.0375					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0-30/2013 की धारा-15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत निम्नवत है:-

ग्रामः-महथाडीह, थाना सं0-55 अंचल-तोपचांची जिला-धनबाद में **कुल-1.0375** एकड़ यानि **0.4200 हे0** जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।
पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिए गए है:-

RFCTLARR Act,2013 के अनुसूची 2 के अनुरूप।(Regarding for Undertaking Vide Letter No-4/DHN,Dated-29-11-2021)

ह0/-
समाहर्ता-सह-
समुचित सरकार

PR 338608 Land Reforms(24-25)#D

प्रपत्र VII झारखण्ड सरकार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय)
या समाहर्ता या समुचित सरकार अधिघोषणा
(अधिनियम-30/2013 की धारा-19 (1) के अधीन)

अधिघोषणा सं0-1491 — दिनांक-07/10/2024
असाधारण अंक सं0- 20 — दिनांक-08/10/2024

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना डाउन ट्रेन हेतु प्रस्तावित गोमो फ्लाई ऑवर हेतु अपेक्षित है, ग्राम-खेसमी, थाना सं0-24, अंचल-तोपचांची जिला-धनबाद में कुल-0.6600 एकड़ यानि 0.2672 हे0 भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोशणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो मानक माप से कमोवेश 0.6600 एकड़ है और ग्राम-खेसमी, थाना सं0-24 अंचल-तोपचांची जिला धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

क्रं सं0	खाता सं0	सर्वेभूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्व व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1.	–	2444	निजी	–	0.2100	अज्ञात	2446 2447 2448	गुनघसा	गुनघसा	2442
2.	–	2456	निजी	–	0.3900	अज्ञात	2441	2441	2446	2441
3.	–	2581	निजी	–	0.0600	अज्ञात	2581	2585, 2593	2594 2152	2582
		कुलः-			0.6600					

यह अधिघोशणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0-30/2013 की धारा-15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत निम्नवत है:-
ग्रामः-खेसमी, थाना सं0-24 अंचल-तोपचांची जिला-धनबाद में कुल-0.6600 एकड़ यानि 0.2672 हे0 जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।
पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिए गए है:-
RFCTLARR Act,2013 के अनुसूची 2 के अनुरूप (Regarding for Undertaking Vide Letter No-4/DHN, Dated-29-11-2021)

समाहर्ता -सह- समुचित सरकार।

PR 338605 Land Reforms(24-25)D

मां की विदाई : बही भक्ति की अविरल धारा

मां के जयकारों से वातावरण गूंज उठा ● आशीष मांगने को ठिठके राहगीरों के पांव

रांची (एजेंसी): राजधानी रविवार को मां दुर्गा की विसर्जन शोभायात्रा की सतरंगी छटा से गुलजार रही. दोपहर बाद से ही पूजा पंडालों में ढोल-ढाक और तासा बजने लगे. महिलाओं ने मां का खोइंछा भरा, सिंदूर खेला. इसके बाद बड़े-छोटे वाहनों पर मां सहित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया. शाम चार बजे के बाद एक-एक पंडालों से गाजे-बाजे के साथ यात्रा निकली, तो वातावरण में मनोहारी छटा छा गयी. भक्ति रंग से शहर का कोना-कोना दमक उठा. कांधे चुनड़ी, माथे साफा पहने विविध पूजा समितियों के पदाधिकारी और सदस्य अगुवाई करते हुए तन कर बढ़े तो पीछे से वाहनों पर आभा बिखेरती प्रतिमाओं का कारवां भी सरकने लगा. ढोल-तासा के साथ भक्ति गीता पर नाचते-झूमते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था.

अल्बर्ट एक्का चौक पर शाम साढ़े चार बजे सबसे पहले बिहार क्लब की शोभायात्रा गुजरती. इसके बाद चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति मेन रोड की भव्य शोभायात्रा रंग-जमाते बढ़ी. पीछे से आरआर स्पोर्टिंग क्लब, यूथ क्लब महावीर चौक, त्रिकोण हवन कुंड सुभाष चौक, श्रीदुर्गा पूजा समिति मुतहा तालाब, भारतीय युवक संघ बकरी बाजार सहित कई पूजा समितियों की शोभायात्रा की लंबी कतार लग गयी. मां के जयकारों और वाद्ययंत्रों की मधुर स्वरलहरियों से वातावरण गूंज उठा. सत्य अमर लोक हरमू रोड, शक्तिस्रोत संघ गाड़ी खाना, प्रगति प्रतीक क्लब, किशोरगंज सहित कई पूजा समितियों की शोभायात्रा देर शाम तक बड़ा तालाब पहुंची. बरियातू, कांके रोड, बूटी मोड़, कांटाटोली, चुटिया, अरगोड़ा, नामकुम, टाटीसिल्वे, डोरंडा, धुर्वा आदि इलाकों में विराजमान मां की प्रतिमा का विसर्जन भी शोभायात्रा के रूप में शहर के विभिन्न जलाशयों में किया गया.

विसर्जन यात्रा जिधर से गुजरती सड़क के दोनों किनारे राहगीर ठिठक जाते. हाथ जोड़ मां का दर्शन कर आशीष मांगते. मां की विदाई का मनोरम दृश्य देखने में खो से जाते. गली-कूचों से लेकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों तक देर शाम तक कुछ ऐसा ही नजारा रहा. भक्ति की बानगी ऐसी कि सड़क जाम के बाद भी लोग ने जल्दी न करते हुए आराम से मां की मनोहारी छटा को अपलक निहारते रहे. विसर्जन शोभायात्रा के यादगार लम्हों को सहेजने, सोशल मीडिया में साझा करने को श्रद्धालु बेताब रहे. फोटो लेने और वीडियो बनाने की होड़ सी लगी रही. युवाओं के लिए तो इसका अलग ही क्रेज रहा.

मातृशक्तियों ने किया भक्ति और शौर्य का प्रदर्शन

यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओ ने भी भागीदारी निभायी. रास्ते भर भक्ति गीतों पर जमकर नाची-झूमी. चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति की शोभायात्रा में मातृशक्तियों ने तलवार लेकर हिस्सा लिया. घोड़े और बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार हो भक्ति के साथ शौर्य का भी प्रदर्शन किया.यात्रा में शमिल युवाओं का उत्साह और भक्ति देखते ही बन रहा था. कहीं ढोल-ताशे की थाप पर तो कहीं डीजे पर बज रहे भजनों पर नौजवान दिन-दुनिया से बेखबर हो रास्ते भर जमकर नाचे-झूमते रहे. जलाशयों पर मां दुर्गा सहित सभी देवी-देवताओ की नेम-निष्ठा से आरती उतारी गयी. पूजा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. पूजन-आरती के बाद एक-एक कर प्रतिमाओं को जल में उतारा गया.

पूजा समितियों की शोभायात्रा के साथ पुलिस के जवान साथ-साथ चल रहे थे. यातायात व्यवस्था संभालने के साथ किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मुस्तैद थे. चाक-चौबंद व्यवस्था में प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से हुआ. चंद्रशेखर आजाद की यात्रा में रथ पर विराजमान जीवंत झांकी ने सब का मन मोहा. कलाकारों ने श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी संग हनुमान जी का रूप धर श्रीराम दरबार की आभा बिखेरते रहे. किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए प्रशासन की ओर से जलाशयो में तैराक और बोट की समुचित व्यवस्था की गयी थी. साथ ही गहरे पानी पर लाल फीता बांध, खतरे का निशान इंगित किया गया था, ताकि लोग तय सीमा से बाहर न जाएं. बड़ा तालाब में एसडीएम सहित आला अधिकारी भी मौजूद थे. पुलिस के जवान भी सुरक्षा में तैनात किए गए थे. मोटरसाइकिल से भी गश्त की जा रही थी.

बुधा दस्ता ने लगाया स्वागत शिविर

अल्बर्ट एक्का चौक, बड़ा तालाब सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविर लगा विसर्जन शोभायात्रा में शामिल पूजा समिति के पदाधिकारियों, सदस्यो और श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया. बड़ा तालाब में युवा दस्ता की ओर से लगाए गए शिविर में राजीव रंजन मिश्रा, पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय सहित बड़ी संख्या में दस्ता पदाधिकारी और युवा मौजूद थे.

मुंबई के झारखंड भवन का सीएम करेंगे ऑनलाइन शिलान्यास

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन की आधारशिला रखेंगे.

१४ अक्टूबर को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री मुंबई में निर्माण होने वाले झारखंड भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे. इस तरह देश की राजधानी दिल्ली के बाद मुंबई में भी झारखंड का दूसरा झारखंड भवन होगा. झारखंड भवन मुंबई में सेक्टर ३० ए, वाशी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में बनेगा.

प्रोजेक्ट भवन में आयोजित इस शिलान्यास समारोह में मंत्री रामेश्वर उरांव एवं मंत्री सत्यानंद भोक्ता भी उपस्थित रहेंगे.

हर झारखंडी का होगा अपना आवास : सीएम

रांची (एजेंसी): हर झारखंडी का अपना आवास होगा. उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट शेयर कर कही है.

उन्होंने कहा कि जिस तरह हमने मंईया सम्मान योजना को राज्य के हर घर तक पहुंचाया है, वैसे ही हर झारखंडी परिवार का अपना तीन कमरों का पक्का मकान होगा.

सीएम ने कहा कि हम आठ लाख मकान बनवा रहे हैं. साथ ही बाकी के १७ लाख मकानों को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड के लोगों को घर देने के मामले में हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक सबका अपना पक्का छत नहीं होगा.

उन्होंने भाजपा पर भी तंज कसा है. हेमंत ने कहा कि दिल्ली से बड़े-बड़े मंत्री लोग झारखंड आकर ३०० घर देने को अपनी उपलब्धि बताकर खुद की पीठ थपथपा रहे हैं.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को लेकर रांची में जुटेंगे हजारों अभ्यर्थी

रांची (एजेंसी): जेएसएससी-सीजीएल के अभ्यर्थी अब आर-पार के मूड में हैं. १४ अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी जुटेंगे. वहां वे बापू वाटिका में छात्र अदालत लगाएंगे. बताते चलें कि जेएसएससी-सीजीएल के अभ्यर्थी दो अक्टूबर से बापू वाटिका के समीप अनश्चितकालीन सत्याग्रह चला रहे हैं.

एक लाख अभ्यर्थियों के पहुंचने का दावा

छात्र नेता सफी इमाम ने मीडिया को बताया कि १४ अक्टूबर को राज्य के सभी जिलों से लगभग एक लाख अभ्यर्थी मोरहाबादी मैदान पहुंचेंगे. इसके बाद छात्र अदालत लगाई जाएगी. यहीं से परीक्षा को रद्द करने की रणनीति बनाई जाएगी. सफी इमाम ने कहा है कि इस बार निर्णायक लड़ाई है. सरकार को वार्ता के लिए बाध्य किया जाएगा. दो बार जेएसएससी कार्यालय के समीप आंदोलन हो चुका है. कोई परिणाम नहीं आया. मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ कहकशां कमील, चंदन कुमार, अजय कुमार महतो, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

बांग्ला मंडपों में सिंदूर खेला के साथ विदा हुईं मां दुर्गा

मां तुमि आबार घुरे एशो...

रांची (एजेंसी): दुर्गोत्सव के १० दिनों तक उत्साह और उल्लास में रमे रहने के बाद आखिरकार विदाई की बेला आ ही गयी. शनिवार को बांग्ला मंडपों में विविध अनुष्ठान हुए. महिलाओं ने सिंदूर खेला. साथ ही भक्तों ने मां तुमि आबार घुरे एशो की कामना से मां दुर्गा को विदाई दी. श्रीश्री हरिसभा दुर्गा पूजा समिति, दुर्गा बाड़ी में दिन के नौ बजे पूजा शुरू हुई. मां को पुष्पांजलि अर्पित करने को भक्ति डोर से बंध बड़ी संख्या में श्रद्धालु खींचे चले आए. दिन के दस बजे तो भारी भीड़ एकत्रित हो गयी. सवा दस बजे पुष्पांजलि अर्पित की गयी. भक्तों के श्रीचरणों में पुष्प अर्पित कर मंगल कामनाएं की.

दिन के ११:३५ बजे मंत्रागिक विसर्जन आदि अनुष्ठान हुए. पुरोहितों संग श्रद्धालु लाइन टैंक तालाब में कलश विसर्जन किया. फिर सिंदूर दान के साथ सिंदूर खेला का खूबसूरत नजारा देखने को मिला. महिलाओ ने एक दूसरे को सिंदूर लगाया. भक्ति में जमककर नाची-झूमी. राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी. मान्यता है कि नौ दिनों तक आराधना के बाद जब विजयादशमी के मौके पर मां विदा होती हैं तो अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद सिंदूर रूप में प्रदान करती है. इसी भाव से महिलाएं सिंदूर खेला कर पति की दीर्घायु की कामना मां से करती हैं. अगले बरस फिर आने का निवेदन करती हैं.

बंग समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को शुभो विजयादशमी कह कर एक-दूसरे को बधाई दी. दिन के ढाई बजे मां की प्रतिमा को वेदी से उतारा गया. आम श्रद्धालुओं ने मां का खोइंछा भर कर सिंदूर खेला. शाम चार बजे मां की प्रतिमा को श्रद्धालु कांधे उठा कर शोभायात्रा के रूप में ढोल-ढाकी आदि के साथ निकले. मेन रोड का भ्रमण कर लाइन टैंक तालाब पहुंचे. यहां पुनः नेम-निष्ठा से पूजन-आरती की गयी. शाम सवा पांच बजे प्रतिमा का विसर्जन हुआ. अन्य बांग्ला मंडपों में विराजमान मां की प्रतिमा का भी विसर्जन विभिन्न जलाशयों में किया गया.

दुर्गोत्सव में इन्होंने दिया योगदान- अध्यक्ष ज्योर्तिमय चौधरी, सचिव गोपाल भटाचार्य, सह सचिव सेतांक सेन, श्यामल राय, संदीप चौधरी, प्रदीप राय बाबू भाई, जयंत कर, देवनाथ गांगुली, प्रिंपेंद्र नारायण घोष, अमित राय, मृणाल घोष, संजय राय सहित समिति के तमाम पदाधिकारी और सदस्यो ने इसके सफल आयोजन में बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी.

राजनीतिक सरगर्मी के बीच मौसम भी ले रहा करवट, 15 को होगी बारिश

रांची (एजेंसी): झारखंड में राजनीतिक सरगर्मी के साथ मौसम भी करवट ले रहा है. राज्य में मौसम में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. मौसम केंद्र के अनुसार, १५ अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और मध्य भाग में हल्के से मध्यम दर्जे के बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा.

16 से 18 अक्टूबर तक पांच जिलों में बारिश

१६ से १८ अक्टूबर तक राज्य के पांच जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है. इसका असर सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में देखने को मिलेगा. पिछले २५ घंटे में सरायकेला-खरसांवा, गुमला के बिशुनपुर में बारिश हुई. वहीं झारखंड के कई हिस्सों से दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून की विदाई हो चुकी है.

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है. वहीं १३ और १४ अक्टूबर को मौसम शुष्क रहेगा. आसमान भी साफ रहेगा. पिछले २४ घंटे में सबसे अधिक तापमान देवघर में रिकॉर्ड किया गया. जबकि सबसे न्यूनतम तापमान राजधानी रांची में दर्ज किया गया. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से वापस चला गया है. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, ओडिशा के कई हिसे और असम व मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बिहार, झारखंड, पूरे पश्चिम बंगाल और सिक्किम के शेष हिस्सों से भी मॉनसून वापस चला गया है. वहीं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्से, ओडिशा के कई हिस्से, असम और मेघालय के कुछ हिस्से, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से भी मॉनसून की वापसी हो चुकी है.

शस्त्र पूजन कर भक्तों ने हनुमान चालीसा का किया पाठ

रांची (एजेंसी): श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर में विजयदशमी के मौके पर शनिवार को शस्त्र पूजन कर भक्तों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. विविध धार्मिक और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्यों ने भी भागीदारी निभायी. आठ विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. इसके बाद वहां मौजूद लोगों के बीच प्रसाद के साथ-साथ शस्त्र भी बांटे गये. मौके पर नृत्य-गीत का भी खास आयोजन किया गया. बच्चों और महिलाओ ने मनमोहक प्रस्तुति दी. श्रीराम भजन प्रस्तुत कर नन्हें-मुन्नों ने जहां मन मोहा, वहीं मातृशक्ति ने शौर्य कौशल्य की अद्भुत प्रस्तुति दी. विश्व शांति के भाव से सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ भी किया. मुकेश काबरा ने बताया कि अब से हरेक वर्ष विजयादशमी के दिन खास आयोजन किया जायेगा.

पूजन कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में किशन साबू, जुगल किशोर मारू, सीपी सिंह, वासुदेव भट्ठा, शिव शंकर साबू, नरेंद्र लखोटिया,राजकुमार मारू, पवन मंत्री, अंकुर डागा, श्याम बियानी, विनय महेश्वरी, हेमंत महेश्वरी, बसंत लखोटिया, अशोक साबू ,चंद्रकांत रायपात, बसंत मित्तल, महावीर प्रसाद सोमानी,भारती चितलांगिया, सुरेशचंद्र अग्रवाल, संजय सर्राफ, गौरव काबरा, कैलाश केसरी, मनोज कल्याणी, दिलीप साबू, अरविंद सोमानी, श्यामसुंदर शर्मा, मनोज चौधरी, रमन वोडा, श्याम पालीवाल, मुकेश काबरा, अशोक मंगल, ओम बोड़ा, विष्णु सेन, अनिल जालान, मनोज काबरा, श्रीराम शर्मा, सौरभ साबू, रमाशंकर बगड़िया, नीरज भट्ट, विजय खोवाल, धीरज बंका, महावीर मंत्री, रमेश चंद्र शर्मा, चंद्रप्रकाश बागला आदि मुख्य रूप से मौजूद थे.

रोहित के हत्यारों की हो अविलंब गिरफ्तारीः बाबूलाल

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को रांची के लोहरापोचा बस्ती में मृतक रोहित तिर्की के परिजनों से मुलाकात की. इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हैं.

किसी की भी हत्या करने से नहीं डर रहे. जवान बेटे को खोने का दर्द वही जानता है, जिसके घर ऐसी घटना होती है. पुलिस घटना के तीन दिन बीत जाने पर भी अपराधी की पहचान नहीं कर पाई है. जबकि सीसीटीवी से यह संभव है. बाबूलाल ने कहा कि पुलिस को अविलंब घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना चाहिए. प्रशासन अविलंब हत्यारे को गिरफ्तार करे।साथ ही राज्य सरकार परिजनों की मांग के अनुरूप उचित मुआवजा दे.

बाबूलाल ने कहा कि पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर अपराधी की पहचान कर सकती है. अपराधी को अविलंब पकड़े जाने से एक भय का वातावरण भी बनता है. घटना की पुनरावृति पर रोक लगती है. आजकल राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में नशखोरी बढ़ी है.जिसमें बड़ीफ संख्या में नाबालिग बच्चे भी शिकार हो रहे हैं. युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है. ऐसे में पुलिस को शिक्षण संस्थानों,कोचिंग संस्थानों के आसपास सिविल ड्रेस में जांच बढ़ानी चाहिए. जरूरत पड़े तो सरकार इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स का भी गठन करे.

शॉट सर्किट से मोबाइल टावर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

रांची (एजेंसी): फिरायालाल चौक के समीप रविवार को रामकृष्ण अपार्टमेंट में लगे मोबाइल टावर में आग लग गई. जिससे अफरा-तफरी मच गई. वहां के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी. इसके बाद अपार्टमेंट की बिजली काटी गई. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी वहां पहुंची. काफी मशक्कत के बाद आग में काबू पाया गया. अपार्टमेंट के समीप मौजूद लोगों ने बताया कि अचानक मोबाइल टावर से चिंगारी निकली और देखते ही देखते तेजी से आग फैलने लगा. वहीं मौजूद कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है. सिर्फ मोबाइल टावर ही क्षतिग्रस्त हुआ है. शॉर्ट सर्किट की वजह से टावर में आग लगी थी.

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड-महाराष्ट्र में विधानसभा---

जा रही है कि झारखंड का स्थानीय प्रशासन छठ पर्व में लगातार आठ से दस दिनों तक व्यस्त रहता है, इसका चुनावी तैयारियों पर असर पड़ सकता है.

पीएम गति शक्ति से देश---

और यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। पीएम गति शक्ति पहल के तहत देश में बुनियादी ढांचे को और सशक्त बनाने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, जिससे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में नया विश्वास और गति आई है।

बाबा सिद्दीकी का दाऊद के साथ---

किताब लगा लेना। हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा, तो हम प्रतिक्रिया जरूर देंगे। हमने पहले वार कभी नहीं किया। जय श्री राम जय भारत, सलाम शहीदां नू। बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक तीन शूटरों की पहचान की है और मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है। बिश्नोई गैंग का यह बयान पुलिस के सामने नई चुनौतियां पेश करता है, क्योंकि गैंग ने चेतावनी दी है कि यदि कोई उनके भाई को नुकसान पहुंचाएगा तो वे अपनी प्रतिक्रिया जरूर देंगे। यह मामला अब राजनीतिक और बॉलीवुड से जुड़ गया है, उसकी वजह सिद्दीकी के कथित तौर पर दाऊद और अनुज थापन के साथ नजदीकी के आरोप हैं। यह देखना रोचक होगा कि पुलिस इस मामले को कैसे सुलझाती है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला नेताओं में आपसी तालमेल ही नहीं

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश कांग्रेस में विधानसभा चुनाव को लेकर कमेटी पर कमेटी बनायी गयी है, लेकिन कमेटियों की तैयारी का कुछ पता नहीं चल पा रहा है. पार्टी की ओर से यदि कभी-कभार कार्यक्रमों का आयोजन किया भी जा रहा है, तो मीडिया तक उसकी न तो प्रॉपर जानकारी पहुंच पा रही है और उससे संबंधित कोई जानकारी ही ढंग से दी जा रही है. मतलब कांग्रेस में सिर्फ खानापूर्ति ही की जा रही है. या यूं कहा जाए, कांग्रेस में राम भरोसे रामलीला हो रहा है. मीडिया सेल है, सोशल मीडिया सेल भी है. कई-कई नेताओं को इसकी जिम्मेवारी दी गयी है, लेकिन सभी अपने मन की कर रहे हैं. मसलन जिसको जितना बुझा रहा है, वह बैठे-बैठे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय से लेकर झारखंड स्तर तक के मुद्दे पर बयान जारी कर बयानवीर बने हुए हैं. बयान जारी कर कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं. बाकी कांग्रेस में सबकुछ राम भरोसे ही चल रहा है.

न नेताओं में कोई आपसी तालमेल है और न किसी मुद्दे पर कोई डिस्कशन ही होता है. जिसको जो बुझाता है, वही बयान दे देता है. जहां बयान देना जरूरी होता है या पार्टी का पक्ष रखना जरूरी होता है, वहां पता ही नहीं चलता कि कौन

बोलेगा, किससे पूछा जाए. झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी भी कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत की खुमारी में हैं. जो नेता टिकट की जुगाड़ में हैं, वे बस नेताओं को आगे-पीछे पैडल मार रहे हैं. रांची से दिल्ली तक एक किए हुए हैं. कुछ तो कश्मीर तक भाग-दौड़ कर रहे हैं. लेकिन फील्ड में पार्टी की ओर से ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है, जिससे पार्टी के नेताओं की आम लोगों के बीच पैठ बन सके या यूं कहिए कि जनता उनके या उनकी पार्टी के नाम पर गंभीरता से विचार कर सके. कांग्रेस में सब हवा-हवाई ही चल रहा है. लेकिन इसके नेता ताल ठोंक कर कहते हैं- ऑल इज वेल, नथिंग टू वरी.

मीडिया सेल व नेताओं में तालमेल नाम की चीज ही नहीं

पार्टी के मीडिया सेल के कुछ जिम्मेवारों से पूछने पर कहते हैं कि हमलोग क्या कर सकते हैं. हमलोगों को जो अपने से बुझाता है, उस इश्यू पर बोलते हैं. बाकी बड़े नेता कुछ बोलना ही नहीं चाहते या कुछ इंस्ट्रक्शन ही नहीं देते हैं, तो हमलोग भला क्या कर सकते हैं. यदि किसी इश्यू पर पार्टी का पक्ष रखना हो, तो बड़े नेता कुछ बताएंगे, तभी तो हम उस मुद्दे पर पार्टी का पक्ष जोरदार ढंग से रख पाएंगे.

नेता लोगों को अपने से जो मन करता है, जिस इश्यू पर बोलने का मन करता है, उस पर बोल देते हैं, तो हमलोग भी चुप्पी ही साधे रहते हैं. रूटीन की विज्ञप्ति जारी कर देते हैं. जो सामान्य कार्यक्रम होते हैं, उसे मीडिया की जानकारी के लिए जारी कर देते हैं. कभी-कभार लगता है कि विपक्षी नेता कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं, तो वे भी अपने स्तर से काउंटर कर देते हैं. लेकिन पार्टी के बड़े नेता मीडिया सेल से इस मसले पर चर्चा नहीं करते हैं. कभी-कभी तो विपक्ष के वार के बारे में बताने पर कह देते हैं कि अपने स्तर से देख लीजिए, अभी हमको बहुत सा काम करना है. अपने हिसाब से टैकल कर लीजिए. देख लीजिए, सोच-समझ कर जो बयान देना है, दे दीजिए.

चुनाव अभियान में कहीं पिछड़ न जाए कांग्रेस

कांग्रेस के एक बुजुर्ग नेता का कहना है पार्टी में चुनाव अभियान समिति, मैनिफेस्टो कमेटी और झारखंड विधानसभा चुनाव तैयारी समिति का गठन तो किया गया है, लेकिन समितियां क्या कर रही हैं, चुनावी तैयारी के मद्देनजर क्या-क्या गतिविधियां हैं, इसके बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है. कांग्रेस अटैकिंग मोड में नहीं दिख रही है. ऐसे में तो पार्टी कहीं विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार में पिछड़ न जाए. लेकिन कांग्रेस के मीडिया सेल के सदस्यों से जब इस संबंध में पूछा जाता है, तो बहुत ही शातिराना अंदाज में जवाब देते हैं. सब तो ठीक-ठाक चल रहा है. कहीं कोई दिक्कत नहीं है. अभियान चल रहा है. हमलोगों की भी पूरी तैयारी है. बस हमारा नाम बचा के भइया. हमरा मत फंसाइए, ऑफिशियल बयान मेरे तरफ से कुछ मत दीजिए. काहे ला बेकार में हमरा बलि का बकरा बनावे में लगल हैं. जो था अंदर का बात हम बताइए दिए हैं. बाकी आप अपने ही देख लीजिएगा.

संपादकीय

आसियान में पीएम मोदी का चीन पर निशाना

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के लाओस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर एकजुटता की जरूरत रेखांकित की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया के कई देश परस्पर संघर्ष में उलझे हुए हैं और इसके चलते अनेक आर्थिक समस्याएं चुनौती बन कर खड़ी हो गई हैं। विकसित कहे जाने वाले देश भी मंदी और सुस्त अर्थव्यवस्था से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी स्थिति में दक्षिण एशियाई देशों से परस्पर सहयोग और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की। दक्षिण एशिया के सभी देश चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते किसी न किसी रूप में असहज महसूस करते हैं। इसलिए सभी ने शिखर सम्मेलन के मंच से चीन की खुल कर आलोचना की।

प्रधानमंत्री ने चीन का नाम लिए बगैर कहा कि हमारी नीति विकासवादी होनी चाहिए, न कि विस्तारवादी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर उन्होंने समुद्री गतिविधियों के संबंधित कानूनी ढांचे 'अनक्लोस' के तहत ही संचालित किए जाने पर बल दिया। निगरानी की आजादी और वायु क्षेत्र सुनिश्चित करने की जरूरत भी रेखांकित की। इस पर एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनाने तथा क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश लगाने की कोशिशों पर विराम लगाने के उपाय तलाशने की जरूरत भी बताई। दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण न केवल दक्षिण एशिया, बल्कि दूसरे कई देशों में भी कई तरह की परेशानियां पैदा हो गई हैं। चीन ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि तेजी से विकास कर रहे और विकसित देश संघर्षों में

उलझे रहें और वह उनके बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखे। मगर चूंकि भारत अब विकसित देश बनने के पायदान चढ़ रहा है और उसके प्रयासों से वैश्विक दक्षिण देश अपना एक नया बाजार बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं, चीन की चिंता स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है।

दक्षिण चीन सागर में उसने इसीलिए अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कुछ समय पहले हुए क्वाड सम्मेलन में भी भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों पर नकेल कसने की जरूरत रेखांकित की थी। दरअसल, अब विकसित देशों को भी महसूस होने लगा है कि दक्षिण एशियाई देशों के सहयोग के बिना चीन को टक्कर देना संभव नहीं है। इन देशों को एकजुट रखने में भारत की अहम भूमिका है। हालांकि आसियान का गठन आर्थिक मामलों में पश्चिम के विकसित देशों, चीन और रूस के वर्चस्व को तोड़ कर अपना एक बाजार विकसित करने और इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बनाए रखने के मकसद से हुआ था। इसका असर भी दिखने लगा है। फिलहाल जिस तरह रूस और यूक्रेन लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और उसके चलते पूरी दुनिया में आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। फिर इजराइल और हमास के संघर्ष का दायरा बढ़ा है और उसमें विश्व की दूसरी ताकतों के भी कूद पड़ने की आशंका जाहिर की जा रही है, आसियान देशों की भूमिका आने वाले समय में और महत्त्वपूर्ण होने वाली है। निस्संदेह अगर आसियान देश इस स्थिति में एकजुटता और परस्पर सहयोग बनाए रखते हैं, तो इस क्षेत्र को वैश्विक संघर्षों की आंच कम से कम प्रभावित कर पाएगी।

खुले नाले और गड्ढों का राज

सड़क के किनारे या किसी पार्क में गड्ढे, खुले नाले या मैनहोल में गिर जाने से बच्चों की मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। खासकर बरसात में जलजमाव की वजह से सड़क किनारे किसी गड्ढे या नाले का कई बार पता नहीं चलता और राह चलते लोग उसमें गिर जाते हैं। गौरतलब है कि पांच दिन पहले उत्तर-पश्चिम दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक खुले नाले में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहां निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार ने कई जगह न केवल नाले को खुला छोड़ दिया था, बल्कि वहां आसपास न तो कोई घेरा लगाया गया था और न कोई चेतावनी के संकेत लगाए गए थे। जाहिर है, यह ठेकेदार से लेकर संबंधित सरकारी महकमे और उसके अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है। अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ऐसे कुछ मामलों को आधार बना कर दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में विस्तृत रपट मांगी है। आयोग ने कहा है कि ऐसी घटनाएं नगर निकाय के अधिकारियों की स्पष्ट लापरवाही है और यह पीड़ितों के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यह समझना मुश्किल है कि नाले का निर्माण कराने वाले ठेकेदार और अन्य लोगों को इतनी साधारण बात समझ में क्यों नहीं आती कि खुला नाला कभी भी किसी की मौत की वजह बन सकता है। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में खुले नाले या मैनहोल में गिर कर लोगों की मौत हो जाने की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। विडंबना यह है कि सरकार या संबंधित महकमों को लंबे समय से कायम इस गंभीर समस्या पर गौर करने की जरूरत नहीं महसूस होती। जब भी खुले नाले, गड्ढे या मैनहोल में गिर जाने से किसी की जान चली जाती है, तब सरकार की ओर से औपचारिकता के लिए कुछ कदम उठाने की घोषणा की जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वैसी ही कोई घटना हो जाती है। किसी भी जगह नाले के निर्माण या मैनहोल की साफ-सफाई के दौरान उसे खतरनाक तरीके से खुला छोड़ देने की वजह से किसी की मौत की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

आज का कार्टून

महबूबा अपनी पार्टी को आगे नहीं बढ़ा पाई...

नीरज कुमार दुबे

वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी है।

महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है।

पहले इस साल हुए लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जो झटका लगा है उसके चलते इस पार्टी के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है। देखा जाये तो अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद से पीडीपी एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। इसके अलावा, इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। यही नहीं, महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं।

हम आपको याद दिला दें कि महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर में हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था लेकिन जनता ने उनकी किसी उम्मीद को पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दर्शाता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया।

वर्ष 2016 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहीं महबूबा ने इस बार चुनाव नहीं लड़ा था। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले विधानसभा चुनाव में श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। महबूबा को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी पीडीपी क्षेत्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त सीट जीतेगी। वैसे पार्टी की उम्मीदें कम होने का संकेत इल्तिजा ने चुनाव से पहले ही दे दिया था जब उन्होंने कहा था कि ''पीडीपी किंगमेकर होगी'' क्योंकि चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनेगी। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री

पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। हम आपको बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को रसातल में पहुँचा चुकी हैं।

देखा जाये तो आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकर्ताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था।

हम आपको बता दें कि विधि स्नातक 56 वर्षीय महबूबा ने 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया था। वह वह समय था जब आतंकवाद अपने चरम पर था। वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की पहली और अंतिम महिला मुख्यमंत्री थीं। 65 वर्षीय पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने की उम्मीद में उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था लेकिन जनता ने उनकी बात नहीं सुनी। वैसे वर्ष 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा ने पीडीपी को एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि क्षेत्र की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को उसके गठन के चार साल के भीतर सत्ता से बाहर कर दिया था। वर्ष 2002 में 16 सीटें जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 और 2014 के विधानसभा चुनाव में 28 हो गई थी। महबूबा चार बार विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की। वह 2004 और 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए चुनी गई थीं।

बहरहाल, अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही पीडीपी को चाहिए कि वह अपनी सोच और नीतियों में बदलाव लाये और देश के साथ खड़ी हो। पीडीपी को देखना चाहिए कि जिस पाकिस्तान से बातचीत की वह बार-बार हिमायत करती है उसने इस बार के चुनाव में पीडीपी का नहीं बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन कर दिया था। देखा जाये तो इसे ही कहते हैं ना घर के रहे ना घाट के।

एक-दूसरे की परिस्थितियों, दुखों और खुशियों को समझें

यह समझ कि हमसे कितने लोग उम्मीद रखते हैं और उनके प्रति हमारी जिम्मेदारी है, हमें अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बना सकती है। यह समझ हमें न केवल व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित करती है, बल्कि सामूहिक स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। समाज में सकारात्मक बदलाव और सुधार तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के साथ समझदारी और समर्थन के साथ पेश आते हैं। यह मान लेना कि केवल हम ही किसी खास काम को सही तरीके से कर सकते हैं, वास्तव में एक भ्रम हो सकता है। आज के समय में इतने सारे विकल्प और संसाधन उपलब्ध हैं कि बहुत सारी समस्याओं के समाधान या काम करने के तरीके अलग हो सकते हैं।

मुनीष भाटिया

अगर हम अपनी सारी क्षमताओं और उपलब्धियों को एक तरफ रख दें, लेकिन अपनी इंसानियत को नहीं सजाएं, तो वास्तव में हमारी जीवन यात्रा अधूरी रह जाती है। किसी की परिस्थिति को समझने और उससे संबंधित होना इंसानियत की एक महत्वपूर्ण निशानी है। जब हम दूसरों की समस्याओं और चुनौतियों को समझने की कोशिश करते हैं, तो हम एक संवेदनशील और सहानुभूति से भरे हुए व्यक्ति बनते हैं, बल्कि हमें यह भी अहसास होता है कि हमारी अपनी समस्या कितनी छोटी हो सकती है। दूसरों की स्थिति और अनुभवों को समझना हमें अधिक सहानुभूतिशील और करुणामय बनाता है। यह हमें न केवल बेहतर इंसान बनाता है, बल्कि हमें समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा भी देता है। इंसानियत का सार वास्तव में यही है कि हम एक-दूसरे की परिस्थितियों, दुखों और खुशियों को समझें और उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाएं। हमारे विकास और हमारी उपलब्धियों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि हम एक इंसान के रूप में क्या हैं। यह विचारशीलता, संवेदनशीलता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान और दया की भावना को समेटता है। जब हम अपनी इंसानियत को प्राथमिकता देते हैं, तो हम सच्चे मायनों में जीने

लगते हैं और हमारे कार्यों में एक गहरा अर्थ आ जाता है। इस दृष्टिकोण से सच्चे अमीर और सफल वही हैं जो अपने जीवन में पूर्णता और मानवता को महत्त्व देते हैं, न कि केवल बाहरी उपलब्धियों या स्वार्थ को।

भावनाएं एक व्यक्ति की अंतरात्मा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होती हैं, जो हमारे अनुभवों और संबंधों को गहराई प्रदान करती हैं। उनकी सच्ची समझ के लिए हमें अपनी संवेदनशीलता को जागृत करना पड़ता है और दूसरे के अंतर्मन को जानने का प्रयास करना पड़ता है। जब हम यह कर पाते हैं, तो हम न केवल अपने जीवन को समृद्ध करते हैं, बल्कि दूसरों के साथ भी एक गहरे स्तर पर जुड़ पाते हैं। अक्सर हम अपनी अपेक्षाओं और इच्छाओं को पूरा न होने पर निराश हो जाते हैं, जबकि हम यह नहीं सोचते कि कितने लोग हमारे कामों, व्यवहार और हमारी क्षमताओं से उम्मीदें रखते हैं। जब हम अपनी समस्याओं और असफलताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारे पास दूसरों के प्रति भी जिम्मेदारियां हैं।

यह समझ कि हमसे कितने लोग उम्मीद रखते हैं और उनके प्रति हमारी जिम्मेदारी है, हमें अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बना सकती है। यह समझ हमें न केवल व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित करती है, बल्कि सामूहिक स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। समाज में सकारात्मक बदलाव और सुधार तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के साथ समझदारी और समर्थन के साथ पेश आते हैं। यह मान लेना कि केवल हम ही किसी खास काम को सही तरीके से कर सकते हैं, वास्तव में एक भ्रम हो सकता है। आज के समय में इतने सारे विकल्प और संसाधन उपलब्ध हैं कि बहुत सारी समस्याओं के समाधान या काम करने के तरीके अलग हो सकते हैं। यह मान्यता कि हम ही सब कुछ कर सकते हैं, कभी-कभी आत्म-सीमा की ओर इशारा करती है। हम सभी अपनी-अपनी जगह महत्त्वपूर्ण हैं, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि अन्य लोग भी उन समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं, जिन्हें हम अभी तक नहीं सुलझा पाए हैं। यह दृष्टिकोण हमें और अधिक खुला और सहायक बनाता है और समस्याओं को सुलझाने में नए और प्रभावी तरीकों को अपनाने में मदद करता है। जब लोग मिलकर काम करते हैं और एक-दूसरे के दृष्टिकोण और भावनाओं की कद्र करते हैं, तो इससे काम की गुणवत्ता में सुधार होता है और आपसी विश्वास व समझ भी बढ़ती है। सहयोग का मतलब सिर्फ साथ काम करना नहीं, बल्कि एक-दूसरे की मदद करना और विचारों का आदान-प्रदान करना भी है। जब भलाई और मदद बिना किसी स्वार्थ, लालच या अपेक्षा के की जाती है, तो इसका प्रभाव और अधिक गहरा और वास्तविक होता है। ऐसी भलाई न केवल दूसरों के दिल को छूती है, बल्कि हमें भी आत्मिक संतोष और खुशी देती है। स्वार्थ और लालच से मुक्त होकर की गई मदद में एक सहजता और ईमानदारी होती है, जो इसे और अधिक मूल्यवान बनाती है। इस तरह की भलाई से न तो किसी के प्रति अहसान जताने की जरूरत होती है और न ही किसी प्रकार की मनवाने की प्रवृत्ति होती है। यह मदद खुद में एक पुरस्कार होती है और इससे दोनों पक्षों को सच्ची खुशी और संतोष प्राप्त होता है। जब हम बिना किसी अपेक्षा के किसी की मदद करते हैं, तो यह दिखाता है कि हम अपने मूल्यों और मानवता के प्रति सच्चे हैं। यह न केवल हमारे संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि हमें आत्मिक रूप से भी समृद्ध बनाता है। यह हमारे जीवन में संतुलन और शांति लाता है और हमारे संबंधों को मजबूत और सार्थक बनाता है। हमारी स्थिति और हमारी अपेक्षाओं की तुलना में दूसरों की उम्मीदें भी महत्त्वपूर्ण होती हैं। जब हम दूसरों की उम्मीदों और विश्वास को पूरा करने की कोशिश करते हैं तो हम न केवल अपने रिश्तों को मजबूत करते हैं, बल्कि एक जिम्मेदार और प्रभावशाली इंसान भी बनते हैं। किसी की परिस्थिति से रूबरू होना और उसके दर्द, संघर्ष या खुशी को समझना ही इंसानियत का मूल है। जब हम दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों को समझने का प्रयास नहीं करते, तो हम अपनी इंसानियत का एक महत्त्वपूर्ण पहलू खो देते हैं। एक सच्चा इंसान होने का मतलब है कि हम अपने अनुभवों के लिए संवेदनशील हों, साथ ही दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों के प्रति भी सहानुभूतिशील रहें।

दीव में दिखता है पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव

यह स्थान वर्ष 1961 से पहले पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा गोवा और दमन के साथ ही इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। ठंडी समुद्री हवा के झोंकों तथा प्रदूषण रहित वातावरण के कारण यहां आकर सैलानियों को काफी राहत महसूस होती है। लंबे विदेशी शासन के कारण दीव के भवनों, किलों, भाषा व संस्कृति तथा जीवनशैली पर पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी तथा पुर्तगाली भाषाएं बोली व समझी जाती हैं।

यहां के निवासियों को फूलों से बेहद लगाव है इसलिए लगभग हर मकान में फूलों के पौधे आपको अवश्य देखने को मिलेंगे। दीव का प्रमुख आकर्षण यहां का किला है जोकि लगभग 5.7 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है और सागर के अंदर समाया हुआ प्रतीत होता है। इस किले का निर्माण वर्ष 1535-41 के बीच में गुजरात के सुलतान बहादुरशाह व पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। किले के बीच में पुर्तगाली योद्धा डाम नूनो डी कुन्हा की कांसे की मूर्ति भी बनी हुई है। यहां एक प्रकाश स्तंभ भी बना हुआ है जहां से पूरे दीव का नजारा दिखता है। प्रकाश स्तंभ से आवाज देने पर उसकी प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है। पानीकोट का दुर्ग पत्थर की विशाल शिलाओं से बना हुआ है। यह दुर्ग एक समुद्री जहाज के आकार का नजर आता है। इस सुंदर दुर्ग तक पहुंचने के लिए नाव अथवा मोटरबोट की सहायता लेनी पड़ती है क्योंकि यह खाड़ी के मुहाने पर तट से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्ग के बीचोंबीच एक गिरजाघर व प्रकाश स्तंभ भी है। आप सेंट पाल चर्च भी देखने जा सकते हैं। वर्ष 1610 में बनी यह चर्च धार्मिक और ऐतिहासिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आप दीव घूमने आए ही हैं तो नगोआ बीच जरूर जाएं। इस बीच को भारत के सुंदरतम तटों में से एक माना जाता है। इसका आकार घोड़े की नाल के समान है, जिस पर सुनहरी रेत बिखरी हुई है। इसकी लंबाई दो किलोमीटर है तथा रहने के लिए यहां तंबू लगाने की सुविधा भी है। सनसेट प्वाइंट सागर तट की गरजती लहरों के बीच एक पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर एक उद्यान और ओपन एअर थियेटर बनाया गया है तथा स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए कमरों की भी व्यवस्था है। दीव के अन्य दर्शनीय स्थलों की बात करें तो केवड़ी में स्थित संगीत फुहारे, सेंट थामस चर्च, नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, जामा मस्जिद, दीव संग्रहालय, गोमती माता सागर तट, घोघला सागर तट व मांडवी नगर आदि प्रमुख हैं। दीव में एक विचित्र आकार का ताड़ का पेड़ होता है जिसमें ऊपर एक के स्थान पर दो तने होते हैं, यह पेड़ अंग्रेजी के वाई आकार का दिखता है, इसको होक्का ताड़ भी कहते हैं। दीव के हवाई अड्डे पर जेट एअर की मुंबई से प्रतिदिन की उड़ाने हैं। यदि यहां रेल मार्ग से आना चाहें तो आपको निकटतम रेलवे स्टेशन वेरावल पड़ेगा। जहां से आपको दीव तक के लिए बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

पंद्रहवीं सदी के वास्तुशिल्प का अद्भुत उदाहरण है बूंदी किला

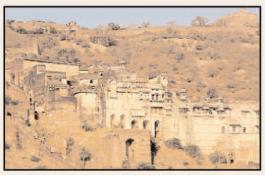

राजस्थान के बूंदी जिले का तारागढ़ किले का निर्माण यहां के राजा रावदर सिंह ने पंद्रहवीं शताब्दी में करवाया था। 1426 फीट की ऊंचाई पर अरावली की पहाड़ियों में स्थित यह किला आज भी अपनी विशालता से लोगों का ध्यान बरबस खींच लेता है। किले की प्राचीर का निर्माण जयपुर के फौजदार दलेल सिंह ने करवाया था। दुर्ग में चार बड़े कुंडल हैं। रहने के लिए सुंदर महल और निवास हैं। किले का आकर्षण एक काफी ऊंची बुर्ज है जिसे भीम बुर्ज के नाम से पुकारा जाता है। बुर्ज के नजदीक ही एक छतरी है। इसे भीम राव अनिरुद्ध सिंह के धाभाई देवा ने बनवाया था। इसके अंदर एक किलेधारी का मंदिर है जिसे महाराज राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। यहां एक जगह ऐसी है जहां दो मिनट के लिए आप अपने आप ठिठक जाएंगे। यह जगह है किले की चित्रशाला। उम्मेद महल के नाम से प्रसिद्ध इस भव्य चित्रशाला का निर्माण राव उम्मेद सिंह ने करवाया था। यहां राव उम्मेद सिंह तथा राव बिसन सिंह की तस्वीरें हैं। इस चित्रमहल की विषयवस्तु राग रागिनियों, प्रेमाख्यान और राजकीय समारोह, गोवर्धन धारी वीर हरण, राम विवाह, ढोलामारु तथा महामिरातेब हैं। चित्रशाला पर मुगल और मेवाड़ शैली का असर है। यहां हरी पृष्ठभूमि पर सफेद रंग से पुरुष और नारी बने हैं। स्त्री और पुरुष के कपड़ों के रंग लाल, नीले, काले और पीले हैं। पूरे किले में यही एकमात्र भाग है जिसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने सुरक्षित स्मारक घोषित कर अपने अधीन रखा हुआ है। इसी चित्रशाला में एक जगह महाराज उम्मेद सिंह की चरण पादुका रखी हुई है। इस जगह पहले सिंहासन रखा होता था। इसके अलावा किले में पहाड़ियों से सबसे ऊंचाई पर पहले राजा का घुड़साल हुआ करता था। घुड़साल के अलावा इत्र महल, बादल महल, फूल महल जैसी और भी कई अन्य जगह हैं जो पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र बन सकते हैं लेकिन महाराज के वंशज ने उसे अपनी निजी संपत्ति के तौर पर संरक्षित कर रखा है। यहां विदेशी पर्यटक भी आते हैं मगर उनकी संख्या कम है। पहाड़ियों की ऊंचाई पर पुलिस विभाग ने एक वायरलेस स्टेशन भी स्थापित कर रखा है। पहाड़ियों की चढ़ाई कर इस किले के विशाल रूप से वाकिफ होकर अगर आप सुस्ताने के लिए नीचे आएंगे तो आपको एक हेरिटेज होटल मिलेगा। निजी समूहों ने किले के ही एक भाग का नवीकरण कर इसमें कमरे बना दिए हैं। इन कमरों में रुककर आप भी एक दिन राजाओं के जमाने में वापस जा सकते हैं।

दुबई का मिरेकल गार्डन जैसे रेगिस्तान में नंदन-कानन

दुबई की यह मेरी पांचवीं यात्रा है। जब भी यहाँ आया हूँ कोई-न-कोई नयी बात या नयी चीज़ सुनने-देखने को मिली है। पिछली बार जब आया था तो बुर्ज खलीफा चर्चा में था। 160 मंजिलों वाली तथा लगभग 828 मीटर ऊंची इस आकाश-छूती इमारत को देखकर सचमुच आश्चर्य हुआ था। उससे पहले दुबई स्थित उस होटल बुर्ज-अल-अरब को देखा था, जिसके बारे में सुना था कि वह विश्व का सब से बड़ा सात-सितारा होटल है। प्रतिमान पर प्रतिमान स्थापित करना इस शान-शौकत और चमक-दमक वाले दुबई शहर की ललक का एक तरह से पर्याय बन गया है। विश्व का सब से बड़ा माल दुबई माल भी यहीं पर है। स्वचालित (बिना ड्राइवर के) मेट्रो भी यहां है। और भी बहुत कुछ है यहाँ देखने के लिए। इस बार उस पुष्प-उद्यान को देखने का मौका मिला जिसके बारे में अपने देश में सुन रखा था। यह पुष्प उद्यान यानी मिरेकल गार्डन विश्व-प्रसिद्ध है। लगता है जैसे समूचा नंदन-कानन सहरा में उतर कर आया हो। दुबई मिरेकल गार्डन का क्षेत्रफल लगभग सत्तर हज़ार वर्गमीटर है। विश्व का यह ऐसा पहला उपवन है जिसमें 60 रंगों के 4.5 करोड़ फूल हैं। इनमें से अनेक ऐसे हैं जिन्हें फारस की खाड़ी के इलाके में पहली बार लाया गया है। यह संसार का पहला ऐसा बाग़ है जो फूलों से बनी तीन मीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है और इसमें एक दस मीटर ऊंचा पुष्प-पिरामिड भी है? फूलों के गुच्छों, झुरमुटों और कियारियों को बड़े ही कलापूर्ण ढंग से तराशा/संवारा गया है। जहाँ तक भी नजर जाती है महकते फूलों का समुद्र ठाठें मारता दृष्टिगोचर होता है। रेगिस्तान में ऐसा दृश्य विरल ही नहीं, अकल्पनीय भी है। इस दिलकश गुलिस्तान के निर्माताओं का कहना है कि वे संसार को दिखाना चाहते थे कि सहरा को भी कैसे प्रदूषित जल का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग कर उसे हराभरा किया जा सकता है। दुनिया को वे यह भी बताना चाहते थे कि दुबई मात्र ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं (लोहा-सीमेंट-रेत) और मालों/होटलों का ही शहर नहीं है। अपितु प्रकृति-प्रेमी नगर भी है।

एक बात और। दुबई की भावी योजनाओं में एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है फाल्कन सिटी आफ वंडर्स। इस परियोजना के तहत दुनिया भर से वास्तुकला के कई श्रेष्ठ नमूनों की प्रतिकृतियां बनाई जाएंगी जिनमें पिरामिड, हैंगिंग गार्डन, एफिल टावर, ताज महल, चीन की महान दीवार और पिसा की झूलती मीनार शामिल हैं। परियोजना दुबई के प्रतिमानों की श्रृंखला में एक और नई कहानी लिखेगी, ऐसा इसके प्रबंधकों का मानना है। दुबई के प्रशासकों (शेखों) को यह समझ में आने लगा है कि उनके तेल के जखीरे अब ज्यादा दिनों तक चलने वाले नहीं हैं और एक-न-एक दिन उनके ये तेल के कुएं तेल देना बंद कर देंगे। दरअसल, 1930 में उन्हें तेल की अकूत संपदा हाथ लगी थी, उससे पहले यहाँ के लोग मछली-पालन या समुद्र से मोती निकालने का काम करते थे, लगभग अस्सी वर्षों से सहरा इन्हें तेल से मालामाल कर रहा है।

बुर्ज, होटल, चौड़ी सड़कें, चमक-दमक, वैभव, ठाठ-बाट आदि सब तेल की वजह से है। मगर तेल निकलेगा भी तो कब तक? इसलिए विकल्प के तौर पर, समय रहते, यहाँ के शासक पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने में जुटे हुए हैं। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में भी बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं ये लोग ला रहे हैं।

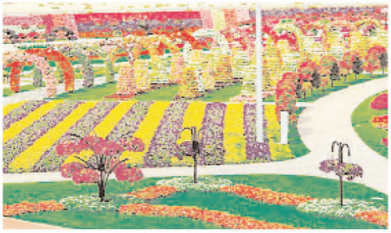

मेरा गायिका बनने का कोई इरादा नहीं

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म जिगरा को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह वेदांग रैना के साथ नजर आ रही हैं, जो भाई और बहन के भावनात्मक रिश्ते पर आधारित फिल्म है। आलिया अपने अभिनय के अलावा अपनी गायिकी का प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने अपनी फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया में समझावां गाना गाकर अपनी संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्होंने उड़ता पंजाब के लिए दिलजीत दोसांझ के शो व्हाट झुमेन वांट में नजर आई थी। इस दौरान बकिंघम मर्डर्स अभिनेत्री ने जिगरा अभिनेत्री से पूछा, ये क्या है? क्या आप गायन में अपना करियर बनाने नहीं जा रही हैं? मुझे नहीं पता कि आपकी आवाज इतनी अच्छी है या नहीं। मैं बस पूछ रही हूं।

इस पर दोनों अभिनेत्रियां हंसती नजर आईं। आलिया ने करीना का जवाब देते हुए ये साफ कर दिया कि उनका गायिका बनने का कोई इरादा नहीं है। जिगरा अभिनेत्री ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। वेदांग गा सकता है और वह वास्तव में बजाता भी है, इसलिए वह एक एल्बम बना सकता है। मैं अपने बाथरूम में गा सकती हूं और फिर रिकॉर्डिंग स्टूडियो में कुछ लोगों की थोड़ी मदद से।

इस पर करीना ने आगे पूछा, तो, आप कोई सिंगल नहीं बनाने जा रही हैं? इस पर जवाब देते हुए आलिया ने कहा कि उनके पास एक बार इसे लेकर कुछ योजना थी, लेकिन वो बस वहीं खत्म भी हो गया। बताते चलें कि आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म जिगरा बीते शुक्रवार को ही रिलीज हुई है। फिल्म भाई और बहन के भावनात्मक रिश्ते पर आधारित फिल्म है, जिसमें आलिया फिल्म में अपने भाई बने वेदांग को जेल से छुड़ाने की कोशिश करती नजर आती हैं। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वसन बाला के निर्देशन में बनी फिल्म का आलिया ने करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन के साथ सह निर्माण किया है। फिल्म में आलिया के अभिनय को लेकर उनके फैंस सोशल मीडिया पर काफी तारीफ कर रहे हैं।

आर माधवन को मोस्ट पॉपुलर ऑन-स्क्रीन पिता घोषित किया गया

एक्टर आर माधवन अपने ऑन-स्क्रीन काम के लिए मशहूर हैं, लेकिन अभिनेता अपनी ऑफ-स्क्रीन शख्सियत के लिए भी उतने ही पॉपुलर हैं। उनकी बेहतरीन फिल्मोग्राफी और लगातार सफलताओं ने उन्हें एक ऐसे अभिनेता का तमगा दिलाया है, जिसके पास मिडास टच है। वैसे तो उनके नाम पहले से ही कई अवॉर्ड हैं, लेकिन उन्होंने अपने नाम एक और खिताब जोड़ लिया है।

एक सर्वे के अनुसार, अभिनेता को अब हिंदी सिनेमा में मोस्ट पॉपुलर फादर का खिताब मिला है। यह सर्वे पिछले महीने देश के 10 शहरों में किया गया था और परिणाम के अनुसार, एक्टर हिंदी सिनेमा में मोस्ट इंफ्लूएन्शल फादर के रूप में सबसे आगे हैं। दर्शकों के बीच इस इमेज को और भी मजबूत बनाने वाली बात यह है कि आर माधवन अपने बेटे वेदांत के सपने को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। इंटरनेशनल स्विम्मर वेदांत ने स्विम्मर के लिए 48वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में 4 गोल्ड मेडल्स और 3 सिल्वर मेडल्स जीते।

मलेशियन ओपन में उन्होंने भारत के लिए 5 गोल्ड मेडल्स जीते। वेदांत को ओलंपिक की तैयारी में मदद करने के लिए माधवन और उनकी पत्नी दुबई चले गए थे। इससे पहले, उनके फैंस ने अभिनेता के पान मसाला ब्रांड को एंडोर्स करने के ऑफर को ठुकराने के फैसले का सम्मान किया था, जबकि उन्हें इसके लिए मोटी रकम मिलने वाली थी।

माधवन द्वारा ऑफर ठुकराने का फैसला उनके सिद्धांतों से मेल खाने वाले ब्रांडों के साथ जुड़ने के उनके समर्पण को दर्शाता है, जिससे एक जागरूक और सतर्क पब्लिक फिगर के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। इसने माधवन की नैतिकता को भी उजागर किया कि वह ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते, जिससे युवाओं को गलत संदेश जाए। काम के मोर्चे पर, माधवन के पास कई दिलचस्प फिल्में हैं, जो एक बार फिर उनके अभिनय कौशल को उजागर करने के लिए तैयार हैं।

बेटी का पिता होना दुनिया का सबसे खूबसूरत अनुभव है

राहा को लेकर रणबीर कपूर ने कही ये बातें

रणबीर कपूर अपनी बेटी के बेहद करीब हैं। अपनी बेटी को लेकर रणबीर कपूर ने कुछ दिलचस्प बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि एक बेटी का पिता होना इस दुनिया की सबसे खूबसूरत अनुभूति होती है। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपने पिता होने के एहसास को जी रहे हैं। वह अक्सर अपनी बेटी राहा के साथ नजर आते हैं। रणबीर सिंह ने कहा कि पिता होना दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास है। इस भावना को नए अभिवावक समझ सकते हैं। अपनी बेटी को वह बहुत ही प्रेम के साथ बड़ा करना चाहते हैं।

अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव हैं रणबीर

रणबीर सिंह ने कहा, आज कल मैं अपने घर के प्रोडक्शन में बिजी हूं, जो की राहा है, ये दुनिया की सबसे अच्छी फीलिंग है। रणबीर अपनी बेटी को लेकर काफी खुश रहते हैं। रणबीर अपनी बेटी के बेहद करीब हैं वह अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते हैं।

हेरा फेरी 3 को मिली हरी झंडी, सुलझ गया फिरोज नाडियाडवाला और इरोस का विवाद

प्रसिद्ध निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने इरोस इंटरनेशनल के साथ अपने ऋणों का निपटान कर लिया है। साथ ही हेरा फेरी सहित अपनी लोकप्रिय फिल्मों के अधिकारों को सफलतापूर्वक वापस प्राप्त कर लिया है। रिपोर्ट की मानें तो, नाडियाडवाला को इन फिल्मों के लिए अदालत से नो ड्यू सर्टिफिकेट मिला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिरोज नाडियाडवाला अब अपनी इच्छनुसार फिल्में बनाने के लिए स्वतंत्र हैं और दर्शकों का मनोरंजन करने और ठोस वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाडियाडवाला और इरोस के बीच विवाद सुलझने से हेरा फेरी 3 के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। बता दें, पिछले साल जब फिरोज नाडियाडवाला ने हेरा फेरी 3 बनाने का फैसला किया था तो इरोस ने फिरोज को कानूनी नोटिस दिया था कि जब तक लगभग 60 करोड़ रुपये का बकाया नहीं चुकाया जाता, तब तक हेरा फेरी के अधिकार कंपनी के पास रहेंगे। अब, रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता ने अपना सारा बकाया चुका दिया है, और फ्रेंचाइजी और कई अन्य फिल्मों के अधिकार उनके पास वापस आ गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, हेरा फेरी 3 न केवल फिरोज के लिए, बल्कि अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की ओजी तिकड़ी के लिए भी एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। वे सभी इस तथ्य से खुश हैं कि ऋणों का भुगतान फिरोज द्वारा कर दिया गया है और अब फिल्म को फ्लोर पर ले जाने के लिए फोकस क्रिएटिव और लॉजिस्टिक्स पर केंद्रित हो सकता है। इस बीच, अक्षय कुमार और उनकी टीम ने नाडियाडवाला द्वारा निर्मित एक और फिल्म वेलकम टू द जंगल की लगभग 70 प्रतिशत शूटिंग कर ली है। यह बड़े बजट की कॉमेडी फिल्म 2025 के अंत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म विजय 69 को बताया जुनून, दृढ़ता का प्रतीक

दिग्गज फिल्म अदाकार अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म विजय 69 को जुनून, दृढ़ता और अडिग मानवीय भावना का प्रतीक बताया है। वह इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। विजय 69 को आने वाले समय में ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। फिल्म 'विजय 69' में एक 69 वर्षीय ट्रायथलीट व्यक्ति की कहानी को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में यह बुजुर्ग व्यक्ति मुश्किलों से लड़ता है और सभी को याद दिलाता है कि महत्वाकांक्षा के लिए उम्र कोई सीमा नहीं होती।

फिल्म का किरदार ट्रायथलॉन के लिए प्रशिक्षण लेकर सामाजिक अपेक्षाओं को तोड़ता है। फिल्म का संदेश सभी के लिए प्रेरणादायक है। यह फिल्म हास्य और भावना का मिश्रण करते हुए उन रिश्तों को दिखाती है जो हमें सहारा देते हैं। अनुपम खेर ने आगे बताया कि यह भूमिका निभाना उनके लिए एक प्रेरणादायक यात्रा रही है। उन्होंने कहा, मैं दुनिया भर के दर्शकों के लिए नेटफ्लिक्स पर इस बेहतरीन कहानी का अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं। मैं अपने लेखक और निर्देशक अक्षय रॉय और निर्माता मनीष शर्मा और यशराज फिल्म्स को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया कि मैं सभी को याद दिला सकूं कि उम्र चाहे जो भी हो, महानता की हमारी संभावनाएं असीम हैं। अक्षय रॉय द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 'द रेलवे मेन', 'द रोमांटिक्स' और 'महाराज' के बाद नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बीच बनी चौथी फिल्म है। इस साल की शुरुआत में, अभिनेता अनुपम खेर ने नेटफ्लिक्स के एक कार्यक्रम के दौरान बताया था कि उन्होंने इस फिल्म के लिए तैराकी सीखी और शूटिंग के दौरान उनके कंधे में चोट भी लग गई थी। उन्होंने उस समय कहा था, जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, तो मुझे तैरना नहीं आता था। मैंने पिछले साल तैरना सीखा और यह मेरी उपलब्धियों में से एक है, जैसे कि यह मेरे किरदार के लिए एक उपलब्धि है। 'विजय 69' को 8 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

मां और रेखा का रिश्ता बहुत मधुर था

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का कहना है कि रेखा का उनकी मां श्रीदेवी के साथ बहुत मधुर रिश्ता रहा है। दोनों एक दूसरे की सोल सिस्टर की तरह हैं। दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं। रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही देश भर में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि उनकी मां श्रीदेवी और अभिनेत्री रेखा दोनों ही एक-दूसरे की सोल सिस्टर हैं। दोनों का रिश्ता बेहद खास रहा है।

वह दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं ताकि बचे उनकी बातों को ना समझें। श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा, जान्हवी का मार्गदर्शन कर रही हैं। इसलिए, धड़क अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह अब अपने काम के संबंध में मार्गदर्शन के लिए रेखा से सलाह लेती हैं। रेखा भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक रही हैं।

दुर्गा पूजा के दौरान राइमा सेन का सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सशक्त संदेश

अभिनेत्री राइमा सेन ने हाल ही में दुर्गा पूजा के दौरान समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ एक सशक्त संदेश दिया। एक दुर्गा पंडाल में उनकी एक शक्तिशाली तस्वीर सामने आई, जिसमें वह समाज के प्रतीकात्मक दैत्यों के बीच खड़ी हैं। राइमा सेन ने एक चमकदार लाल साड़ी पहनकर मां दुर्गा की तरह साहस और शक्ति का प्रतीक बनकर इन सामाजिक बुराइयों का सामना करने की प्रेरणा दी। इस तस्वीर के माध्यम से उन्होंने यह याद दिलाया कि अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ खड़ा होने के लिए कितनी ताकत और हिम्मत की जरूरत होती है। यह तस्वीर सिर्फ पूजा का एक औपचारिक हिस्सा नहीं थी, बल्कि यह उन लोगों के साथ एकजुटता का प्रतीक थी जो भेदभाव, अत्याचार और अन्य सामाजिक बुराइयों का सामना कर रहे हैं। राइमा सेन हमेशा से सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं और अपने मंच का उपयोग महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाने के लिए करती आई हैं। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तेजी से ध्यान आकर्षित किया है, और कई लोगों ने राइमा के इस सशक्त संदेश की सराहना की है। दुर्गा पूजा, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, में उनकी यह तस्वीर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देती है।

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने रेखा को बताया ओरिजिनल स्टाइल मेकर

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने दिग्गज अभिनेत्री रेखा को ओरिजनल स्टाइल मेकर बताया है। उनके मुताबिक रील से लेकर रियल लाइफ तक में अपना स्टाइल फ्लॉन्ट करती हैं। डिजाइनर मल्होत्रा ने अभिनेत्री रेखा के लिए इंस्टाग्राम पर उन्हें जन्मदिन की ढेरों बधाई देते हुए पोस्ट शेयर किया। इनमें कुछ तस्वीरें हैं जिनमें एवरग्रीन एक्ट्रेस कमाल की लग रही हैं।

इनमें रेखा गाढ़ी लाल लिपस्टिक और सुनहरी साड़ी में किसी रानी से कम नहीं लग रहीं। रेखा, 10 अक्टूबर को 70 वर्ष की हो गई हैं। पोस्ट के कैप्शन में मल्होत्रा ने लिखा, आइकॉनिक, सुपरस्टार, खूबसूरत और अपनी फिल्मों से लेकर अपनी प्रस्तुतियों तक एक ओरिजनल (मूल) स्टाइल मेकर, सच में एकमात्र रेखाजी ही हैं... जन्मदिन की शुभकामनाएं, एक ऐसे व्यक्ति के लिए ढेर सारा प्यार और सम्मान जो न केवल बेहद प्रतिभाशाली है, बल्कि जिनके दिल में ढेर सारा प्यार है। मल्होत्रा के मुताबिक अभिनेत्री को इतने करीब से जानना उनके लिए

सम्मान की बात है। डिजाइनर ने आगे लिखा, उनके बेहतरीन डांस, परफॉर्मेंस से भरपूर फिल्मों की लिस्ट लंबी है। मुझे उनके साथ काम करने और करीब से जानने का मौका मिला और मैं इसके लिए खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं...आप प्रशंसा के काबिल हैं और आपको मेरी ओर से ढेर सारा प्यार। रेखा की पहचान बेहतरीन अभिनेत्रियों में की जाती है। 1969 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म ऑपरेशन जैकपॉट नल्ली सीआईडी 999 में डेब्यू किया था। एक साल बाद उन्होंने सावन भादो से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया। साल 1978 में घर और मुकद्दर का सिकंदर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उनके करियर के सबसे सफल दौर की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें खूबसूरत, बसेरा, एक ही भूल, जीवन, विजेता, उमराव जान, खून भरी मांग और सिलसिला जैसी फिल्मों में देखा गया।

साल 1996 में उन्होंने एक्शन थ्रिलर खिलाड़ियों का खिलाड़ी में अंडरवर्ल्ड डॉन की भूमिका निभाई। उसके बाद कामसूत्र- ए टेल ऑफ लव और आस्था- इन द प्रिज़न ऑफ स्पिरिंग जैसी फिल्में आईं, जिसमें उन्हें प्रशंसा के साथ-साथ कुछ आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ा। साल 2000 के बाद से अभिनेत्री को जुबैदा, लजा, कोई मिल गया और कृष में देखा गया था। 2014 में इम्तियाज पटेल के गुजराती नाटक, बा ऐ मारी बाउंड्री पर आधारित फिल्म सुपर नानी में दिखी थीं।

अभिषेक-ऐश्वर्या के अलग होने की चर्चा की बीच अमिताभ ने किया पोस्ट

11 अक्टूबर को मेगा स्टार अमिताभ बच्चन का जन्मदिन था। बिग बी 82 साल के हो गए हैं। इस मौके पर उनके तमाम फैंस ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। आधी रात को जन्मदिन खत्म होने से कुछ समय पहले अमिताभ बच्चन की बहू और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

ऐश्वर्या ने अमिताभ बच्चन के जन्मदिन के मौके पर बेटी आराध्या संग उनकी एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर के साथ कैप्शन देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा है- 'हैप्पी बर्थडे पा-दादाजी, भगवान आपको आशीर्वाद दे।' तस्वीर में आराध्या ने अपने दादाजी को गले लगाया हुआ है, आराध्या के हाथ में एक गुलाब का फूल भी है। ऐश्वर्या राय ने अपने इंस्टाग्राम पर लंबे समय बाद कोई पोस्ट किया है, ऐसे में फैंस उनसे गुजारिश कर रहे हैं कि वो इंस्टा पर पोस्ट करती रहा करें। आपको बता दें, पिछले काफी समय से खबरें आ रही हैं कि ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच सब ठीक नहीं है। इन खबरों को हवा तब मिली जब अंबानी के फंक्शन में अभिषेक पूरे परिवार के साथ पहुंचे मगर ऐश्वर्या उनके साथ नहीं थीं। थोड़ी देर बाद ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या के साथ पार्टी में पहुंची थीं।

हाल ही में जब ऐश्वर्या को आईफा उत्सवम में अवॉर्ड मिला तब भी वो वहां बेटी के साथ ही पहुंची थीं। इसके अलावा पेरिस फैशन वीक हो या फिर कोई और इवेंट ऐश हर जगह अपनी बेटी के साथ ही पहुंचती हैं। जबकि अभिषेक या फिर परिवार का कोई अन्य सदस्य नदारद रहता है।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु तट पर नाव में लगी आग, पांच की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के तट पर एक स्पीड बोट में आग लग गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की भी आशंका है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 14.05 बजे हुई, जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थकों से भरी नाव तालीबू क्षेत्र के एक समुद्री बंदरगाह पर थी और अभियान के लिए यात्रा जारी रखने से पहले ईंधन भरा जा रहा था। अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने शिन्हुआ को बताया कि हादसे में पांच लोग मारे गए हैं, नौ अन्य घायल हो गए हैं और कुछ लोग नाव में फंसे हुए हैं। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि कि आग ने पूरी नाव को अपनी चपेट में ले लिया था, जो लोग नाव के अंदर रह गए थे, वह मर गए होंगे। अधिकारी नाव में मौजूद लोगों की सटीक संख्या नहीं बता पाए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी की लॉजिस्टिक इकाई के प्रमुख युसरी अब्दुल कासिम ने बताया कि आग लगने से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

सात लोगों की मौत व साओ पाउलो में 14 लाख घरों की बिजली गुल

टोरंटो, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो में आए एक संक्षिप्त लेकिन शक्तिशाली तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के इस सबसे बड़े महानगर में शनिवार को लगभग 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात 67 मील (108 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के कारण बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुईं और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई। राज्य सरकार के अनुसार, तूफान के कारण कई हवाई अड्डों को भी बंद करना पड़ा और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर एक दुकान पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों के भीतर बिजली पारेषण बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे का दंश झेलते रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते भी नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख रहते हैं।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकी शिविरों पर बरसाए बम

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के शिविरों पर बमबारी की। इसकी जानकारी यूएस सेंट्रल कमांड ने दी। अमेरिकी सेना ने शनिवार को एक बयान में कहा, अमेरिकी सेना ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीरिया में इस्लामिक स्टेट के शिविरों पर हवाई हमले किए। यूएस सेंट्रल कमांड के बयान में कहा गया कि हमारे युद्ध क्षति का आकलन चल रहा है और नागरिक हताहतों का संकेत नहीं है। इसमें कहा गया कि हवाई हमले जल्दी किए गए।

उत्तरी गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजराइल का भीषण हमला, 22 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी।
उत्तरी गाजा में संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ गया है, जिससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। इजराइली सेना के भीषण हमले में जबालिया शरणार्थी शिविर में, महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसका मकसद हमास की क्षमताओं को खत्म करना है। इस हमले के बाद हजारों फिलिस्तीनी नागरिक गोलीबारी में फंस गए हैं, जो अपने आसपास की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने अराजकता के बीच फंसे नागरिक आबादी पर इस हमले के भयानक प्रभाव पर चिंता जताई है।

इजराइली हमलों के बाद, जबालिया में स्थिति भयानक स्तर पर गंभीर हो गई है। इजराइली लड़ाकू विमानों ने ताजा हमले में एक बहुमंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक पर बमबारी ने न सिर्फ 22 लोगों की जान ले ली है, बल्कि कम से कम 30 लोगों को घायल भी किया है, और आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी कई लोग फंसे हो सकते हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद स्थिति भयावह है, और अस्पतालों में भर्ती घायलों की हालत काफी गंभीर है। ज्यादातर घायलों को कमाल अदवान अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, लेकिन संसाधनों की कमी से पहले ही गाजा पट्टी के अस्पतल जूझ रहे हैं। इजराइल की तरफ से इस अस्पताल को भी खाली करने का आदेश दिया गया है, हालांकि अभी भी डॉक्टर आपातकालीन विभाग में गंभीर

मरीजों का इलाज कर रहे हैं। लेकिन, आशंका है कि कभी भी इजराइली सैनिक अस्पताल में दाखिल हो सकते हैं।

गाजा में इजराइली हमलों से स्थिति भयावह इजराइली हमले जबालिया से आगे तक भी की गई है। गाजा शहर में एक और हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजराइली सेना उत्तरी गाजा के निवासियों को मानवीय क्षेत्रों में जाने का आदेश दिया है, जिसका कई फिलिस्तीनियों ने विरोध किया है, जिन्हें डर है कि गाजा पट्टी का कोई भी हिस्सा उनके लिए सुरक्षित नहीं रह गया है। वहीं, गाजा में अभी भी हमास ने हमले बंद नहीं किए हैं और हमास की सशस्त्र शाखा, कस्साम ब्रिगेड ने जबालिया में विस्फोटक उपकरण से इजराइली सैनिकों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी ली है, जिसमें इज़रायली सैनिकों के हताहत होने की रिपोर्ट है। हालांकि, इस दावे के बारे में फिलहाल पूरी जानकारी अभी भी कम ही है। दूसरी तरफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हजारों फिलिस्तीनी परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले भयावह प्रभावों के बारे में भी चिंता जताई है। 1 अक्टूबर से उत्तरी गाजा में खाद्य सहायता आपूर्ति बंद होने और उसके बाद फुड सप्लाई बंद से स्थिति भयानक हो चुकी है और लोग खाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एमएसएफ समेत इंटरनेशनल कम्युनिटी ने उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा में निवासियों को जबरन भेजने की इजराइली नीति की आलोचना की है, जिसमें आवाजाही पर प्रतिबंधों और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में बढ़ती कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया है।

अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, ईरान के साथ कारोबार करने वाली भारतीय कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन एजेंसी। ईरान द्वारा एक अक्टूबर को इजरायल पर किए गए मिसाइल हमले के विरोध में अमेरिका ने एक दर्जन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। ये वे कंपनियां हैं जो ईरान के साथ तेल का कारोबार करती हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में भारत की भी एक कंपनी आई है।

भारतीय कंपनी गब्बारो शिप सर्विसेज अपने टैंकर हार्नेट के जरिये ईरानी तेल की एशियाई देशों में आपूर्ति करती है। यह टैंकर ईरान से पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति करने वाली तथाकथित घोस्ट फ्लीट का हिस्सा है, यह बात अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कही है। अमेरिका के ताजा प्रतिबंधों की जद में विश्व भर की करीब दर्जन भर कंपनियां आई हैं जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़ी हुई हैं। ये कंपनियां यूएई, मलेशिया, हांगकांग और सूरीनाम की हैं। प्रतिबंध के तहत ये कंपनियां अमेरिकी अर्थतंत्र में काम नहीं कर सकेंगी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने कहा है कि ईरान का हमला इजरायल के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर तेल अवीव को निशाना बनाकर किया गया था। इससे हजारों निर्दोष लोगों की जान जा सकती थी। इसलिए आमजनों को निशाना बनाने वाली हरकत का विरोध किया जाना आवश्यक है।

माली में बाढ़ से अब तक 177 लोगों की मौत, 148 घायल

बमाको , एजेंसी।
माली में बारिश के मौसम की शुरुआत से आई बाढ़ से कम से कम 177 लोगों की मौत हो गई है। बारिश और बाढ़ के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को माली के इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी फॉर क्राइसिस एंड डिजास्टर मैनेजमेंट की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में बाढ़ की 656 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 148 लोग घायल हुए और 37,999 घर ढह गए। इस बाढ़ से 47,955 परिवारों के 264,646 लोग प्रभावित हुए हैं। माली के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि 128 पब्लिक स्कूल बाढ़ पीड़ितों के आश्रय के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। 167 स्कूल पानी में डूबे हुए हैं और 256 स्कूलों की इमारतें ढह गई हैं।

देश भर में भारी बारिश जारी है, जिससे नदियां और उनकी सहायक नदियां उफान पर हैं। अधिकारियों ने बार-बार निवासियों से बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों को खाली करने, पैदल, बाइक या कार से बाढ़ वाली सड़कों पर जाने से बचने का आग्रह किया है। साथ ही नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे उफनती नदियों से दूर रहें और भारी बारिश के दौरान घर के अंदर रहें। माली सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय आपदा की घोषणा की थी, जिसके कारण स्कूलों के नए सत्र की शुरुआत 1 अक्टूबर से 4 नवंबर तक स्थगित कर दी गई।

आव्रजन पर सख्त हुए ट्रंप, बोले- अमेरिकियों की हत्या करने वाले प्रवासियों को मिले मौत की सजा

कोलोराडो एजेंसी।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलोराडो के अरोरा शहर में रैली के दौरान कहा कि अमेरिकी नागरिकों की हत्या करने वाले प्रवासियों को मौत की सजा दी जानी चाहिए।

ट्रंप ने समर्थकों की भीड़ के नारे के बीच कहा, मैं ऐसे किसी भी प्रवासी के लिए मौत की सजा की मांग कर रहा हूं जो किसी अमेरिकी नागरिक का हत्यारा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर वह निर्वाचित हुए तो अवैध प्रवासियों के खिलाफ राष्ट्रीय अभियान ऑपरेशन अरोरा शुरू करेंगे।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के दिन का संदर्भ देते हुए ट्रंप ने कहा, मैं संकल्प लेता हूं कि पांच नवंबर, 2024, अमेरिका में मुक्ति दिवस होगा। हम अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। सीमा को बंद कर देंगे। अपने देश में

अवैध लोगों के आक्रमण को रोक देंगे। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे ट्रंप ने पांच नवंबर को होने वाले मतदान से पहले अपने आव्रजन विरोधी रुख को और सख्त कर लिया है।

पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव है। इस बार रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है। अभी दोनों के बीच मामूली बढ़त हैं। मगर हार जीत तय करने में सात स्विंग राज्य बड़ी भूमिका निभाएंगे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सात राज्यों में जनमत सर्वेक्षण किया। यूक्रेन-रूस युद्ध और इजरायल संघर्ष को बेहतर तरीके से संभालने के मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर बढ़त बना ली है। जब मतदाता से यह पूछा गया कि यूक्रेन-रूस युद्ध को संभालने में सबसे बेहतर कौन होगा इस पर करीब सात स्विंग राज्यों में ट्रंप को 50त्न और हैरिस को 39त्न फीसदी मतदाताओं का साथ मिला।

उत्तरी कैरोलिना और विस्कॉन्सिन में दोनों के बीच बराबरी की टक्कर वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को सर्वेक्षण की रिपोर्ट को प्रकाशित किया। इसके मुताबिक समर्थन के मामले में हैरिस और ट्रंप उन सात राज्यों में बराबरी पर हैं, जो नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के फैसल में अहम साबित होंगे। सर्वेक्षण के अनुसार हैरिस को एरिजोना, जॉर्जिया और मिशिगन में दो प्रतिशत की बढ़त मिली है। वहीं ट्रंप नेवादा में 6 और पेंसिल्वेनिया में 1 प्रतिशत से आगे हैं। उत्तरी कैरोलिना और विस्कॉन्सिन में दोनों के बीच बराबरी की टक्कर है।

कोख में मरे बच्चों के लिए सर्टिफिकेट जारी कर रहा ब्रिटेन, अब तक 50 हजार से अधिक माता-पिता ने कराया पंजीकरण

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने हाल ही में एक नई पहल के तहत बेबी लॉस सर्टिफिकेट जारी करना शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उन माता-पिता को सांत्वना देना है, जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान अपने बच्चों को खो दिया। अब तक 50,000 से अधिक माता-पिता इस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह पहल उन परिवारों की भावनात्मक पीड़ा को कम करने के लिए शुरू की गई है, जो गर्भपात के बाद अपने बच्चों को भुला नहीं पाते और उनकी स्मृति को संजोकर रखना चाहते हैं।

इस योजना के माध्यम से ऐसे बच्चों को औपचारिक मान्यता दी जा रही है, जिन्हें पहले किसी तरह के पंजीकरण में शामिल नहीं किया जाता था। मिसकैरेज एसोसिएशन की मुख्य कार्यकारी, विक्की रॉबिन्सन के अनुसार, यह पहल उन माता-पिता के दर्द को साझा करने का एक तरीका है, जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है। सर्टिफिकेट के माध्यम से माता-पिता को उनके बच्चे की यादें सहेजने का एक तरीका मिल रहा है, जिससे उन्हें भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है। पहले ऐसे बच्चों का कोई औपचारिक रजिस्ट्रेशन नहीं होता था, जिससे माता-पिता को लगता था कि उनके बच्चे को नजरअंदाज किया जा रहा है।

पाकिस्तान में 16 अक्टूबर तक पूर्ण लॉकडाउन, न विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान में आगामी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 12 से 16 अक्टूबर तक लॉकडाउन लागू रहेगा, जिसके तहत विवाह हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट, और स्नूकर क्लबों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इस दौरान कोई सार्वजनिक आयोजन, न तो विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम की अनुमति होगी। यह सख्त कदम एससीओ सम्मेलन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जिसमें भारतीय विदेश मंत्री के साथ चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने वाले हैं। सम्मेलन 16 और 17 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होगा।

पाकिस्तान की सरकार ने सेना पर पूरा भरोसा जताते हुए सुरक्षा की जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। स्थानीय पुलिस और

अन्य सुरक्षा बलों को सीधे सैन्य अधिकारियों के अधीन काम करने का निर्देश दिया गया है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 10,000 से अधिक सैनिक और कमांडो तैनात किए गए हैं, ताकि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा सकें।

सुरक्षा के मद्देनजर 14 और 16 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी की गई है। व्यापारियों और होटल मालिकों को नोटिस भेजकर निर्देश दिया गया है कि वे इस अवधि के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने प्रतिष्ठानों में न ठहरने दें। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एससीओ सम्मेलन में चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया के कई महत्वपूर्ण देश शामिल होंगे। यह सम्मेलन एशिया के आर्थिक और सुरक्षा मामलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में बढ़ती आतंकवादी घटनाओं और इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों ने सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसके चलते पाकिस्तान ने दो प्रमुख शहरों को सेना के हवाले कर दिया है। पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद मुराद सईद ने चेतावनी दी, अगर आपको शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन की इतनी चिंता थी तो आपको संवैधानिक संशोधनों में हेराफेरी करने में व्यस्त नहीं होना चाहिए था... सड़कें खोदो, कंटेनर रखो लेकिन हम पैदल मार्च करेंगे। अब तक तो आपको पता चल ही गया होगा कि बाधाएं हमें रोक नहीं सकतीं। अब जो लोग बाहर निकलेंगे, उन्हें हम नहीं रोक पाएंगे। इमरान खान की सेहत के बारे में तुरंत खबर दीजिए या फिर डी-चौक पर मिलते हैं। वहीं शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध प्रदर्शनों से देश को बंधक नहीं बनने देगी।

पाकिस्तान जन्म और मृत्यु पंजीकरण में भी फिसड्डी, दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बना

इस्लामाबाद, एजेंसी।
नागरिक पहचान प्रणाली किसी भी नागरिक और राज्य दोनों के लिए बेहद जरूरी है, खासकर जब सरकार को लोगों को सेवाएं देनी होती हैं। एक नागरिक की पहचान का सफर जन्म प्रमाण पत्र से शुरू होता है और मृत्यु प्रमाण पत्र पर जाकर खत्म होता है। लेकिन पाकिस्तान में यह बुनियादी पहचान प्रणाली ज्यादातर लोगों तक पहुंची ही नहीं है। यूनिसेफ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 60 प्रतिशत बच्चों का जन्म पांच साल की उम्र तक पंजीकृत नहीं होता। इसी वजह से पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बन गया है।

करीब 6 करोड़ बच्चे पाकिस्तान में अभी भी पंजीकृत नहीं हैं। इस कारण उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बाल श्रम व बाल विवाह से बचाव जैसी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। पंजीकरण में कई दिक्कतें हैं, जिन्हें सुलझाने की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान में जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिए कुछ प्रणालियां

मौजूद हैं, लेकिन ये पूरी तरह लागू नहीं हो पातीं। हर प्रांत के अपने अलग नियम हैं। जैसे पंजाब में पंजाब लोकल गवर्नमेंट (जन्म और मृत्यु पंजीकरण) नियम 2021 लागू है। जन्म प्रमाण पत्र पाने की प्रक्रिया बेहद जटिल और समय लेने वाली है। इसके लिए उर्दू और अंग्रेजी में फॉर्म भरना पड़ता है, शपथ पत्र बनवाना होता है, यूनियन काउंसिल के चेयरमैन को आवेदन करना होता है, और अस्पताल से जन्म रिपोर्ट लेनी होती है।

माता-पिता और दादा का सीएनआईसी (कंप्यूटराइज्ड राष्ट्रीय पहचान पत्र) भी जमा करना पड़ता है और 200 रुपये की फीस भी चुकानी पड़ती है। अगर बच्चा घर पर पैदा हुआ है, तो मिडवाइफ के सीएनआईसी और सर्टिफिकेट की भी जरूरत पड़ती है, साथ ही दो गवाहों के सीएनआईसी भी जमा करने होते हैं। एनएडीआरए (नेशनल डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण) ने एक नागरिक पंजीकरण प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे जन्म, मृत्यु, विवाह और तलाक का पंजीकरण हो सके। लेकिन जागरूकता की कमी, नौकरशाही की दिक्कतें और ग्रामीण इलाकों में पंजीकरण केंद्रों की कमी के कारण यह सिस्टम पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान में पंजीकरण प्रणाली में कई बड़ी बाधाएं हैं। ग्रामीण इलाकों के लोग नहीं जानते कि जन्म पंजीकरण उनके बच्चों के लिए कितना जरूरी है।

यहां पंजीकरण की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी होती है, जिसमें कई दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। गरीबी के कारण कई परिवार पंजीकरण शुल्क नहीं चुका पाते। इसके अलावा, पारंपरिक मान्यताओं और पिछड़ेपन के चलते भी लोग पंजीकरण नहीं कराते। मृत्यु प्रमाण पत्र पाना भी बेहद कठिन है। लगभग 50 प्रतिशत मौतें पाकिस्तान में पंजीकृत नहीं होतीं और मरने वालों के सीएनआईसी भी रद्द नहीं किए जाते। इस कारण फर्जी पेंशनधारक और नकली मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है। एनएडीआरए को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है, जैसे पंजीकरण प्रक्रिया में देरी, तकनीकी खामियां और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की कमी। एनएडीआरए का डेटाबेस भी कई बार हैकिंग का शिकार हुआ है, जिससे डेटा की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं।

मुंबई इंडियंस से जुड़ सकते हैं पारस म्हाम्ब्रे

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके हैं

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में मुंबई इंडियन के साथ जुड़ सकते हैं। वे इस साल के अंत में होने जा रहे मेगा ऑक्शन में भी मौजूद रह सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पारस जल्द ही ढ्ढक्क की सबसे सफल फ्रेंचाइजीज में शुमार स्द्ब से जुड़ने वाले हैं, हालांकि फ्रेंचाइजी ने अब तक कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। पारस 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के बॉलिंग कोच रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे (थम्सअप कर रहे) टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का कोचिंग स्टॉफ।

राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थाना के कोच

पिछले महीने राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने 20 सितंबर को दोनों भारतीय कोच को अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था। द्रविड़ और राठौर की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। पारस म्हाम्ब्रे ने विक्रम राठौर और राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय टीम को कोचिंग दी।

पारस खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच सफल हुए

पारस म्हाम्ब्रे ने भारत के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे खेले हैं। उनका फर्स्ट क्लास करियर शानदार रहा, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर उन्हें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। पारस के बारे में कहा जाता है कि वे एक खिलाड़ी से ज्यादा प्रतिभाशाली कोच हैं।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था।

लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था। सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका) (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित

किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है। एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी घोषित

53 की उम्र में बने नए जाम साहब

जामनगर(एजेंसी)। भूतपूर्व रियासत जामनगर के महाराजा और पूर्व क्रिकेटर शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने शनिवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को राजगद्दी का उत्तराधिकारी घोषित किया। 53 वर्षीय जडेजा अब जामनगर के नए जाम साहब यानी नाममात्र के मुखिया होंगे। क्रिकेट के दिग्गजों के परिवार के रूप में जाने जाने वाले जडेजा के परदादा रंजीतसिंह और परदादा दुलीपसिंह जो दोनों पूर्व जाम साहब थे, के नाम पर ट्रॉफी रखी गई हैं। पूर्व नवानगर राज्य के नाममात्र के मुखिया शत्रुशल्यसिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा, यह जामनगर के लिए सौभाग्य की बात है कि अजय जडेजा ने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है। अजय जडेजा को पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया गया था। अपनी खुशी की तुलना महाभारत के पांडवों से करते हुए शत्रुशल्यसिंह ने कहा, मैं भी उतना ही खुश हूं (जितना कि वे) क्योंकि मैं एक दुविधा से मुक्त हो गया हूं और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति अजय जडेजा हैं। जडेजा दौलतसिंहजी के बेटे हैं, जो जामनगर लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रहे थे। पोलैंड की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में जामसाहेब दिग्विजयसिंह को एक स्मारक समर्पित की, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तत्कालीन नवानगर में 600 पोलिश बच्चों को शरण दी थी। 85 वर्षीय शत्रुशल्यसिंह दिग्विजयसिंह के बेटे हैं जिनके भाई प्रतापसिंह अजय जडेजा के दादा हैं। मई में पिछले लोकसभा चुनाव में जब क्षत्रिय आंदोलन ने भाजपा के लिए मुश्किल हालात

पैदा कर दिए थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में चुनाव प्रचार के दौरान शत्रुशल्यसिंह से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट रूप से समुदाय तक पहुंचने का प्रयास था। शत्रुशल्यसिंह का बचपन में ही तलाक हो गया था और उनके कोई बच्चे नहीं हैं। परिवार के पास महल, स्कूल और बेशकीमती आभूषणों का संग्रह है।

पूर्वजों के नाम पर रणजी और दलीप ट्रॉफी खेली जाती है - जाम साहब रणजीत सिंह के नाम पर ही भारतीय क्रिकेट की डोमेस्टिक टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेली जाती है। रणजीत सिंह के भाई जुवान सिंह के बेटे दलीप सिंह के नाम पर दलीप ट्रॉफी खेली जाती है। रणजी ट्रॉफी भारत की एक घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता है। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट चैंपियनशिप है। राज्य क्रिकेट संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें इसमें हिस्सा लेती हैं। वहीं दलीप ट्रॉफी भारत में खेले जाने वाली घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट है। इन दोनों टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) करता है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें शामिल हुई इंडिया ए, बी, सी, और डी खेलती हैं।

जाम साहब का इतिहास - जाम साहब नवानगर के शासक राजकुमार की उपाधि है, जो अब गुजरात में जामनगर है। जाम साहब राजपूतों के जाम जाडेजा वंश से थे। जाम रावलजी 1540 में नवानगर के पहले जाम साहब थे। उन्होंने कच्छ से प्रवास किया और हलार क्षेत्र में नवानगर की स्थापना की। इसमें 999 गांव शामिल हैं।

वनडे में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं जडेजा - अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 1992 से 2000 के बीच 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने चार अर्धशतकों की मदद से 576 रन बनाए। जडेजा ने टीम इंडिया के लिए खेले 196 वनडे मैचों में 5359 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं।